राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# स्वतंत्र प्रभात



स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UHIN/2012/43078 (epaper.swatantraprabhat.com ) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर , मंगलवार , 03 मार्च 2026
वर्ष 14, अंक 311, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

मिश्रिख में पंचकोसीय परिक्रमा के दौरान पांच दिवसीय विशाल भंडारे का आयोजन...03

अदालत से बरी के बाद जंतर-मंतर पर पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल का विशाल प्रदर्शन...04

## खामनेई की हत्या की कांग्रेस ने की निंदा, खरगे ने कहा- बाहरी शक्ति को सत्ता परिवर्तन का अधिकार नहीं

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

कांग्रेस ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या की स्पष्ट रूप से निंदा करते हुए रविवार को कहा कि किसी भी बाहरी शक्ति को सत्ता परिवर्तन कराने का अधिकार नहीं है. कांग्रेस ने कहा कि ऐसी कार्रवाइयां साम्राज्यवाद के समान हैं और वे नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के अनुरूप नहीं हैं. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि उनकी पार्टी दोहराती है कि प्रत्येक देश के नागरिकों को अपना राजनीतिक भविष्य तय करने का अधिकार है। मल्लिकार्जुन खरगे ने एक बयान में कहा कि कांग्रेस युद्ध की औपचारिक रूप से घोषणा किए बिना एक सैन्य हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अली हुसैनी खामेनेई की लक्षित हत्या किए जाने की स्पष्ट रूप से निंदा करती है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस गहरे शोक की घड़ी में सर्वोच्च नेता के परिवार, ईरान के लोगों और दुनिया भर के शिया समुदाय के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती है।

**शांतिपूर्ण समाधान की प्रतिबद्धता**

खरगे ने कहा कि हम इस गंभीर संकट में उनके साथ एकजुटता से खड़े हैं. उन्होंने यह भी कहा कि भारत की विदेश नीति संवाद के जरिए और अंतरराष्ट्रीय कानून के सम्मान के साथ विवादों के शांतिपूर्ण समाधान की प्रतिबद्धता पर आधारित है, जैसा कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 51 में निर्देशित है.

**जयराम रमेश ने विदेश नीति पर बोला तीखा हमला**

वहीं पश्चिम एशिया में तनाव के मद्देनजर कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने केंद्र सरकार की विदेश नीति पर तीखा हमला किया. सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि देश प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति के सार और तरीकों दोनों के लिए भारी कीमत चुका रहा है. पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने कई ऐसे मुद्दों का हवाला दिया, जिनके बारे में उनका दावा था कि वे केंद्र सरकार की कमजोर विदेश नीति को दर्शाते हैं. उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री और उनके करीबी लोग चाहे जितना भी दिखावा करने की कोशिश करें, सच्चाई यह है कि स्वयंभू विश्व गुरु के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति पूरी तरह से बेनकाब हो चुकी है।

**ट्रंप ने पाकिस्तान को किया समर्थन**

उन्होंने लिखा कि अमेरिकी राष्ट्रपति पाकिस्तान के साथ अपनी नजदीकियां लगातार बनाए हुए हैं और बार-बार उसी व्यक्ति की सराहना कर रहे हैं, जिसके भड़काऊ बयानों ने 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमलों की पृष्ठभूमि तैयार की थी. अमेरिका ने अफगानिस्तान के खिलाफ पाकिस्तान की लड़ाई में साफ़ तौर पर पाकिस्तान को समर्थन किया है।

**राष्ट्रपति ट्रंप के दावों पर प्रधानमंत्री मौन**

अमेरिकी राष्ट्रपति अब तक की गिनती के अनुसार 100 से अधिक बार यह दावा कर चुके हैं कि कि उन्होंने 10 मई 2025 को भारत के निर्यात पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी देकर ऑपरेशन सिंदूर को रुकवाने में हस्तक्षेप किया था. लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप के इन दावों पर प्रधानमंत्री पूरी तरह मौन हैं. ऑपरेशन सिंदूर को रोकने की पहली घोषणा 10 मई 2025 को शाम 5:37 बजे अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने की थी।

**भारत-अमेरिका व्यापार समझौता**

2 फरवरी 2026 को राष्ट्रपति ट्रंप ने घोषणा किया कि पीएम मोदी के अनुरोध पर भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अंतिम रूप ले चुका है और तुरंत प्रभाव से लागू हो रहा है. यह स्पष्ट है कि यह पीएम मोदी की एक हताश पहल थी. 18 दिन बाद अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने घोषणा किया कि राष्ट्रपति ट्रंप की वह टैरिफ रणनीति, जो भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की बुनियाद थी, अवैध और असंवैधानिक है. यह निर्णय व्यापक रूप से अपेक्षित था, लेकिन पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप पर दबाव डाला कि वे सबसे पहले इसकी घोषणा करें।

**रूस से तेल खरीदना बंद करने पर सहमति जताई**

जयराम रमेश ने कहा कि यह व्यापार समझौता अब व्यापक रूप से एकतरफा माना जा रहा है, जिसमें भारत ने विशेष रूप से कृषि उत्पादों के आयात को उल्लेखनीय रूप से उदार बनाने के ठोस वादे किए हैं, जबकि इसके बदले में अमेरिका की ओर से भारत से आयात बढ़ाने का कोई समान वचन नहीं दिया गया है. अमेरिका ने बार-बार यह भी जोर देकर कहा है कि भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद करने पर सहमति जताई है, लेकिन इस संबंध में किए गए वादे पर मोदी सरकार ने कोई स्पष्ट स्पष्टीकरण नहीं दिया है।

**ईरान पर अमेरिका-इजराइल का सैन्य हमला**

कांग्रेस नेता ने कहा कि पीएम मोदी ने 25-26 फरवरी 2026 को इजराइल का दौरा ऐसे समय में किया, जब पूरी दुनिया को यह जानकारी थी कि शासन परिवर्तन के उद्देश्य से ईरान पर अमेरिका-इज़राइल का सैन्य हमला आसन्न है. पीएम मोदी के इजराइल से रवाना होने के केवल दो दिन बाद ही यह हमला शुरू हो गया. वहां नेसेट में दिया गया उनका भाषण नैतिक कायरता का शर्मनाक प्रदर्शन था. ईरान पर थोपे गए इस युद्ध के प्रति मोदी सरकार की प्रतिक्रिया भारत के मूल्यों, सिद्धांतों, चिंताओं और हितों के साथ विश्वासघात है।

**सार्वजनिक रूप से चीन को दी क्लीन चिट**

पीएम मोदी ने 19 जून 2020 को सार्वजनिक रूप से चीन को क्लीन चिट दे दी थी. यह चौंकाने वाला बयान उस समय आया, जब लद्दाख सीमा पर हमारे बीस बहादुर जवान शहीद हुए थे. इस क्लीन चिट ने हमारी बातचीत की स्थिति को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया और अब हमें चीन की शर्तों पर संबंधों को सामान्य बनाने के लिए मजबूर किया जा रहा है. देश को प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की विषयवस्तु और उसके तौर-तरीकों-दोनों की भारी कीमत चुकानी पड़ रही है।

## ईरान-इजराइल युद्धः लखनऊ के सैकड़ों यात्री खाड़ी देशों में फंसे, घर वापसी के लिए इस तारीख तक करना होगा इंतजार

**●ईरान-इजराइल तनाव के कारण खाड़ी देशों का एयरस्पेस बंद होने से लखनऊ एयरपोर्ट पर संकट खड़ा हो गया है. 1 मार्च को दुबई, मस्कट और रियाद जैसी 17 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द रहीं, जिससे 2500 यात्री प्रभावित हुए. फिलहाल 8 मार्च तक स्थिति सामान्य होने के आसार कम हैं, जिससे यात्री फंसे हुए हैं**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

अमेरिका और इजराइल की ओर से ईरान पर किए गए हमलों और ईरान की जवाबी कार्रवाई के बाद तनाव चरम पर पहुंच गया है. इसके कारण ईरान, दुबई यूएई, इराक, कुवैत, बहरीन, कतर, जॉर्डन समेत कई देशों ने अपना एयरस्पेस पूरी तरह या आंशिक रूप से बंद कर दिया है. इस क्षेत्रीय संकट का सीधा असर यूपी में लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भी पड़ा है. यहां 1 मार्च को खाड़ी देशों से जुड़ी सभी उड़ानें ठप हो गईं।

एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार, रविवार को लखनऊ से मस्कट, दुबई, अबू धाबी, शारजाह, दम्माम और रियाद जाने वाली 9 उड़ानें और इन शहरों से लखनऊ आने वाली 8 उड़ानें रद्द कर दी गई. कुल मिलाकर 17 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित हुई, जिससे करीब 2500 टिकट निरस्त हो गए. इनमें इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस, ओमान एयर और अन्य एयरलाइंस की फ्लाइटें शामिल हैं।

एयरपोर्ट पर रविवार का नजारा उदास और खाली था. नए टर्मिनल ज्ञ3, जहां से अंतरराष्ट्रीय उड़ानें संचालित होती हैं, पूरी तरह सुनसान रहा. यात्रियों की भीड़ की जगह एयरलाइंस के पूछताछ काउंटरों पर परेशान चेहरे नजर आए. कई यात्री और उनके परिजन एयरलाइंस से संपर्क करने पहुंचे, जहां एडवाइजरी जारी की गई कि स्थिति सामान्य होने तक उड़ानें नहीं चलेंगी. एयरलाइंस ने बताया कि 8 मार्च के बाद ही नई टिकट जारी करने की संभावना है, हालांकि यह स्थिति पर निर्भर करेगा।

**खाड़ी में फंसे लखनऊवासी, परिवारों में चिंता**

उत्तर प्रदेश के बहराइच, गोंडा, सुल्तानपुर, बलरामपुर और आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में लोग रोजगार के लिए खाड़ी देशों में जाते हैं. अचानक एयरस्पेस बंद होने से कई लोग वहां फंस गए हैं. कुछ लोग कामकाज या पर्यटन के लिए 2-3 दिनों के लिए गए थे और अब वापसी का संकट झेल रहे हैं. ट्रेवल एजेंटों के पास मदद की गुहार लगाने वाले लोगों की कतारें लग गई हैं।

**रद्द हुई प्रमुख उड़ानें**

आने वाली उड़ानेंः ओवी 705 (मस्कट), आईएक्स 2171 (दिल्ली से लखनऊ), 6ई-1416 (अबू धाबी), 6ई-1424 (शारजाह), एक्सवाइ 333 (रियाद), आईएक्स 194 (दुबई), आईएक्स-190 (रियाद), 6ई-098 (दम्माम) आदि

जाने वाली उड़ानेंः आईएक्स 193 (दुबई), ओवी 706 (मस्कट), आईएक्स 18 और एक्सवाइ 334 (रियाद), आईएक्स 197 (दुबई), 6ई-1415 (अबू धाबी), 6ई-097 (दम्माम), 6ई-1423 (शारजाह) आदि।

### पुलिस चौकी परिसर में युवक ने पेट्रोल छिड़क लगाई आग, हालत गंभीर

**अलीगढ़।** खैर कस्बा पुलिस चौकी का दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। रविवार की शाम करीब चार बजे कस्बा पुलिस चौकी परिसर के अंदर एक युवक ने खुद पर पेट्रोल छिड़ककर आग लाग ली। इससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। पुलिस उसे सीएचसी लेकर पहुंची, जहां हालत नाजुक होने पर जेएन मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया गया। कस्बा के मोहल्ला उपाध्याय निवासी 48 वर्षीय मनोज वर्मा ने पुलिस चौकी परिसर पर पेट्रोल डालकर स्वयं को आग लगा ली। आग की घटना के बाद पुलिस चौकी पर हड़कंप मच गया। लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। मनोज को पुलिस कर्मियों ने कंबल डालकर बचाया, लेकिन तब तक वह काफी जल चुका था। सूचना पर कोतवाली पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। स्वजन का कहना है कि एससी-एसटी एक्ट के मुकदमा में मनोज का वारंट चल रहा है, जिसके चलते चौकी पुलिस उसे परेशान करती है। पुलिस से पीड़ित होकर उसने आत्मदाह की कोशिश की है। उसकी हालत नाजुक बताई गई है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। देर रात पीड़ित मनोज के घर एसएसपी नीरज जादौन पहुंच कर स्वजन से घटना की जानकारी ली। एसएसपी नीरज जादौन ने बताया कि युवक के झुलसने के मामले में पुलिस को उसके इलाज का निर्देश दिया गया है। पूरे मामले की रिपोर्ट सीओ से मांगी गई है। युवक नशे का आदी था। पैट्रोल छिड़क कर चौकी में आया था पूरे घटना की जांच की जा रही है।

## होली पर सफाई को लेकर 24 घंटे सक्रिय रहेगी टीम, बाधित नहीं होगी जलापूर्ति

**● होली के लिए सीतापुर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया।**

**●सड़कों, मुहल्लों और डिवाइडरों की गहन सफाई की गई।**

**●नागरिकों के लिए 24 घंटे निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित की गई।**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**सीतापुर।** होली में शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए नगर पालिका परिषद ने बुधवार को विशेष स्वच्छता अभियान चलाया। इसके तहत सभी सड़कों, मुहल्लों में सफाईकर्मियों की टीमों को लगाया गया। टीमों ने साफ-सफाई की। डिवाइडरों की धुलाई सफाई भी की गई।

अधिशासी अधिकारी वैभव त्रिपाठी ने बताया होली के पर्व पर शहर को स्वच्छ व सुंदर बनाने का काम किया गया है। इसके अलावा अन्य मूलभूत जरूरतों को पूरा करने के लिए पालिका के कर्मचारी 24 घंटे सक्रिय रहेंगे। सूचना पर तत्काल मौके पर पहुंचेंगे।

**डिवाइडर पर रखवाए गए गमले**

पालिका की टीम ने डिवाइडरों की धुलाई कराने के बाद रोडवेज से लालबाग मार्ग तक आकर्षक फूलों के गमले रखवाए। फूलों के पौधों को देखकर हर कोई शहर की सुंदरता की तारीफ करता देखा गया। इसके अलावा पार्कों में धुलाई सफाई कराई गई।

**24 घंटे रहेगी जलापूर्ति**

ईओ वैभव त्रिपाठी ने बताया पालिका क्षेत्र के सभी वार्डो मुहल्लों में जलापूर्ति व्यवस्था सुचारु रहेगी। सोमवार को सभी टंकियों को फुल किया जाएगा। इसके साथ ही सीधे जलापूर्ति भी जारी रहेगी। शुक्रवार को टंकी के पानी का लोग उपयोग कर सकेंगे।

## संक्षिप्त ख़बरें

### होली पर लखनऊ में दोपहर के बाद होगा लखनऊ मेट्रो का संचालन, गीले या रंग लगे वस्त्र पहने लोगों के प्रवेश पर रोक

**» दोपहर 2:30 से रात 10:30 बजे तक मिलेगी मेट्रो की सुविधा**

**» होली पर शाम को घर से बाहर निकलने वालों को मिलेगी मेट्रो की सेवा**

**» गीले वस्त्र या फिर रंग से भीगे वस्त्रों में यात्रा करने पर रहेगी रोक**

**लखनऊ।** रंगों के त्यौहार होली पर भी लखनऊ मेट्रो की सेवा जारी रहेगी। लखनऊ में बुधवार को रंग खेलने के समय सुबह से दोपहर 2:30 बजे तक मेट्रो सेवाएं बंद रहेंगी। लखनऊ में बुधवार को चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट और मुंशी पुलिया दोनों ओर से मेट्रो की सेवा दोपहर 2:30 बजे से लेकर रात 10:30 बजे तक उपलब्ध रहेगी। मेट्रो प्रशासन ने बताया कि होली पर यात्रियों की सुविधा के लिए दोपहर 2:30 बजे से दोनों छोर से सेवाएं बहाल कर दी जाएंगी। यूपीएमआरसी ने यात्रियों से अपील की है कि वह होली पर गीले या रंग से भीगे वस्त्रों में यात्रा करने से परहेज करें, जिससे ट्रेन एवं स्टेशन की स्वच्छता बनी रहे। लखनऊ में होली के दिन मेट्रो रेल कारपोरेशन दोनों टर्मिनल स्टेशन चौधरी चरण सिंह एयरपोर्ट मेट्रो स्टेशन और मुंशी पुलिया मेट्रो स्टेशन से दोपहर 2:30 बजे अपनी सेवाएं शुरू करेगी। शाम को तय समय तक नियमित रूप से चलती रहेंगी।

**गीले या रंग से भीगे कपड़ों में मेट्रो यात्रा करने से बचें**

यूपीएमआरसी ने यात्रियों से अपील की है कि होली के दिन गीले या रंग से भीगे कपड़ों में मेट्रो यात्रा करने से बचें। इससे ट्रेनों और स्टेशन परिसर की स्वच्छता बनाए रखने में मदद मिलेगी।

त्योहार के मद्देनजर मेट्रो प्रशासन ने यात्रियों से सहयोग की भी अपील की है, ताकि सभी लोग सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा कर सकें।

## ट्रांसफार्मर में आया फॉल्ट तो JE और SDO होंगे जिम्मेदार, विभाग ने जारी किए अधिकारियों के मोबाइस नंबर

**●होली पर सीतापुर जोन में बिजली कटौती नहीं होगी।**

**फाल्ट होने पर तत्काल आपूर्ति बहाल करने के निर्देश।**

**अवर अभियंता, उपखंड अधिकारी होंगे मरम्मत के लिए जिम्मेदार।**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**सीतापुर।** होली पर सीतापुर जोन में बिजली कटौती नहीं होने दी जाएगी। अगर कोई फाल्ट आ जाती है तो तत्काल ट्राली ट्रांसफार्मर के माध्यम से आपूर्ति बहाल किया जाएगा। अनुरक्षण माह में विभाग की ओर से सारी तैयारियां दुरुस्त कर ली गई हैं। 100 केवीए का ट्रांसफार्मर जलने पर इसकी मरम्मत की जिम्मेदारी अवर अभियंता की होगी।

काम में शिथिलता पाए जाने पर उपखंड अधिकारी व अवर अभियंता की जिम्मेदार होंगे। अधीनस्थों को यह निर्देश बिजली विभाग के मुख्य अभियंता आरके सिंह ने वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिए बिजली अफसरों को दिए हैं। उन्होंने कहा है कि त्योहार को देखते हुए सभी अधिकारी तैनाती स्थल पर ही रुकेंगे। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बरती नहीं जाएगी। मुख्य अभियंता ने जिलों में कंट्रोल रूम बनाने के लिए भी कहा है।

**कंट्रोल रूम रखें सक्रिय**

बिजली विभाग की ओर से सीतापुर में अधिशासी अभियंता कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाया गया हैं। 9415901150 पर उपभोक्ता किसी भी समय फोन कर समस्या का समाधान पा सकते हैं। साथ ही विभाग के एक्स हैंडिल पर भी सूचना के साथ टोलफ्री नंबर 1912 पर भी शिकायत कर सकते हैं।

इन नंबर पर भी दे सकते जानकारी

| मोबाइल नंबर | पदनाम |
|---|---|
| 9415901149 | अधीक्षण अभियंता |
| 9415901151 | अधिशासी अभियंता प्रथम |
| 9415901166 | अधिशासी अभियंता सिधौली |
| 8004924156 | अधिशासी अभियंता बिसवां |
| 9453004751 | अधिशासी अभियंता महमूदाबाद |

**'फील्ड में रहकर करें निगरानी'**

अधीक्षण अभियंता ललित कृष्ण ने होली पर उपभोक्ताओं को भरपूर बिजली देने के साथ विभागीय अधिकारी व कर्मियों को फील्ड में रहकर निगरानी के निर्देश दिए हैं। कार्यालय में बैठक के दौरान उन्होंने अधिशासी अभियंता को बताया है कि बिजली चोरी पर भी नजर रखी जाए, अगर कोई ऐसा करता मिले तो कार्रवाई की जाए।

## इजरायल के हमले में घायल खामेनेई की पत्नी की भी मौत, ईरान में अब भी गिर रही मिसाइलें

**●खामेनेई की पत्नी खोजस्तेह बघेरजादेह का निधन हुआ।**

**अमेरिकी-इजरायली हवाई हमले में गंभीर रूप से घायल हुई थीं।**

**ईरान में मिसाइल हमले अब भी जारी हैं।**



**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**नई दिल्ली।** ईरान के सुप्रीम लीडर रहे खामेनेई की मौत के बाद अब उनकी पत्नी की भी मौत हो गई है। खामेनेई की पत्नी खोजस्तेह बघेरजादेह अमेरिका-इजरायल की एयरस्ट्राइक में घायल हो गई थीं। अब ईरान की सरकारी मीडिया ने उनकी मौत की पुष्टि कर दी है। खामनेई और खोजस्तेह बघेरजादेह की शादी 1964 में हुई थी। वह लोगों की नजरों से अक्सर दूर ही रहती थीं। उनके बारे में ज्यादा जानकारी किसी को नहीं है, लेकिन बताया जाता है कि दोनों के 6 बच्चे थे।

**ट्रंप बोले- और तेज करेंगे हमला**

उधर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि जरूरत पड़ने पर अमेरिकी सेना ईरान पर चार से पांच सप्ताह तक हमला जारी रखेगी। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि इजरायल और अमेरिका के लिए लड़ाई की तीव्रता बनाए रखना मुश्किल नहीं होगा।

हालांकि, ट्रंप ने एक संक्षिप्त साक्षात्कार के दौरान ईरान में नई शासन व्यवस्था को लेकर कई विरोधाभासी दृष्टिकोण प्रस्तुत किए। सत्ता हस्तांतरण की अपनी योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ईरान के विशिष्ट सैन्य बल, जिनमें रिवोल्यूशनरी गार्ड के अधिकारी भी शामिल हैं, ईरानी जनता को अपने हथियार सौंप देंगे। उनसे जब पूछा गया कि वे ईरान का नेतृत्व करने के लिए किसे देखना चाहते हैं, तो उन्होंने कहा, ''मेरे पास तीन बहुत अच्छे विकल्प हैं। मैं अभी वह उजागर नहीं करूंगा। पहले काम पूरा कर लेते हैं।'' लेकिन फिर उन्होंने एक ऐसे परिदृश्य का वर्णन किया, जिसमें ईरानी जनता मौजूदा सरकार को उखाड़ फेंकेगी।

## यूपी में होली पर चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टॉफ को नहीं मिलेगी छुट्टी, रोस्टर से ड्यूटी लगाने के निर्देश

**●चिकित्सा स्टाफ की छुट्टियां होली पर रद्द की गईं।**

**●अस्पतालों में आवश्यक दवाएं, ऑक्सीजन उपलब्ध रहेंगी।**

**●नेत्र, त्वचा रोग विशेषज्ञों की ड्यूटी रोस्टर से लगेगी।**




**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**बुलंदशहर।** होली के पर्व को लेकर शासन ने स्वास्थ्य विभाग को पूरी तरह अलर्ट कर दिया है। अपर मुख्य चिकित्सा अमित कुमार घोष ने बुलंदशहर समेत प्रदेश के सभी जिलों के सीएमओ को समस्त चिकित्सा इकाईयों में चिकित्सा व्यवस्थाओं को क्रियाशील संवेदनशील और सुदृढ़ीकरण रखने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सभी चिकित्सक व पैरामेडिकल स्टाफ बिना अपरिहार्य कारणों के अवकाश स्वीकृत न करने को भी कहा है।

अपर मुख्य सचिव ने सभी चिकित्सीय इकाइयों, विशेष रूप से आकस्मिक सेवाओं में आवश्यक दवाइयों तथा स्वास्थ्य कर्मियों की उपलब्धता, उपकरणों की क्रियाशीलता एवं रीजेंट्स की उपलब्धता सुनिश्चित करने और सभी कर्मियों को उनके दायित्वों से अवगत कराने को कहा है।

आवश्यक औषधियों यथा पैरासीटामाल, एंटी डायरियल ड्रग्स, एंटी इमेटिक ड्रग्स आदि के साथ एआरवी तथा एएसवी, एंटी बायोटिक मरहम, दर्द निवारक मरहम एवं स्प्रे, बैंडेज, स्प्लिन्ट, आइवी फ्लूड्स एवं ओआरएस पैकेट की उपलब्धता रखने के निर्देश दिए हैं।

चिकित्सालयों में आक्सीजन की उपलब्धता तंत्र पूर्ण क्रियाशील रखने, आक्सीजन कान्सन्ट्रेटर्स एवं आक्सीजन सिलेंडर की भी पूर्ण क्रियाशीलता रखने को कहा है। होली पर एक्स-रे मशीन, सीटी स्कैन, पैथालाजी व अन्य समस्त उपकरण और एंबुलेंस को मानक के अनुसार 24 घंटे क्रियाशील रखने के निर्देश दिए।

जिला प्रशासन से आवश्यक संपर्क स्थापित रखा जाए, किसी दुर्घटना की स्थिति में जिला प्रशासन को अलर्ट करते हुए उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जाए। चिकित्सकों, विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ का रोस्टर बनाकर ड्यूटी लगाने और समस्त चिकित्सा इकाइयों पर साफ सफाई रखी जाए।

अस्पतालों पर नेत्र तथा त्वचा रोग से संबंधित औषधियों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही त्वचा एवं नेत्र रोग विशेषज्ञों की रोस्टर बनाकर ड्यूटी लगायी जाए। समस्त चिकित्सा इकाइयों पर 24 घंटे बिजली की आपूर्ति व साफ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। कल्याण सिंह राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय मिश्रा जिला अस्पताल और जिला महिला अस्पताल में व्यवस्था सही रखने को कह दिया है। सीएमओ डॉ. सुनील कुमार दोहरे ने बताया कि सभी सीएचसी और पीएचसी पर शासन के निर्देशानुसार व्यवस्था करा दी गई है।

# साणंद से उठती माइक्रोचिप की ज्योति एआई क्रांति की सदी में भारत का निर्णायक कदम

गुजरात के साणंद में स्थापित माइक्रोन सेमीकंडक्टर फैसिलिटी का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस आत्मविश्वास के साथ यह कहा कि 20वीं शताब्दी का रेगुलेटर ऑयल था और 21वीं शताब्दी का रेगुलेटर माइक्रोचिप बनेगी, वह केवल एक राजनीतिक वक्तव्य नहीं, बल्कि बदलती वैश्विक अर्थव्यवस्था की सटीक व्याख्या है। औद्योगिक क्रांति के दौर में जिन देशों ने ऊर्जा संसाधनों और भारी उद्योगों पर नियंत्रण स्थापित किया, वे वैश्विक शक्ति केंद्र बने। आज वही स्थान सेमीकंडक्टर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने ले लिया है। साणंद की यह माइक्रोन सेमीकंडक्टर फैसिलिटी केवल एक औद्योगिक परियोजना नहीं, बल्कि भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता और एआई क्रांति की दिशा में उठाया गया ऐतिहासिक कदम है। सेमीकंडक्टर वह सूक्ष्म तकनीकी आधार है जिस पर आधुनिक डिजिटल दुनिया टिकी हुई है। मोबाइल फोन से लेकर सुपरकंप्यूटर, इलेक्ट्रिक वाहन से लेकर रक्षा उपकरण, और क्लाउड सर्वर से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सिस्टम हर जगह चिप की आवश्यकता होती है। एआई की पूरी संरचना उच्च गति की प्रोसेसिंग, डेटा स्टोरेज और ऊर्जा दक्षता पर निर्भर करती है, और यह सब सेमीकंडक्टर तकनीक के माध्यम से संभव होता है। ऐसे में साणंद में स्थापित माइक्रोन की एटीएमपी असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग और पैकेजिंग यूनिट भारत को वैश्विक टेक्नोलॉजी वैल्यू चेन में मजबूती से जोड़ती है।

एआई क्रांति की सदी में सेमीकंडक्टर को आधार स्तंभ इसलिए कहा जाता है क्योंकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति डेटा से आती है, और डेटा को संसाधित करने की क्षमता चिप से। मशीन लर्निंग एल्गोरिद्म, न्यूरल नेटवर्क, ऑटोमेशन सिस्टम, स्मार्ट सिटी, 5जी और 6जी नेटवर्क, ड्रोन टेक्नोलॉजी इन सभी का मूलभूत ढांचा सेमीकंडक्टर पर आधारित है। यदि किसी देश के पास चिप निर्माण की क्षमता है, तो वह डिजिटल संप्रभुता की दिशा में आगे बढ़ सकता है। साणंद की यह परियोजना भारत को केवल उपभोक्ता से निर्माता बनने की दिशा में अग्रसर करती है। इस परियोजना से होने वाले लाभों का वर्गीकरण कई स्तरों पर किया जा सकता है। आर्थिक लाभ के स्तर पर यह निवेश हजारों करोड़ रुपये की पूंजी के साथ प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन करेगा। स्थानीय उद्योगों, आपूर्ति श्रृंखला, लॉजिस्टिक्स और सेवा क्षेत्रों को नई गति मिलेगी। गुजरात पहले से ही औद्योगिक विकास के लिए प्रसिद्ध है, और अब सेमीकंडक्टर हब के रूप में इसकी पहचान और सुदृढ़ होगी। इससे विदेशी निवेशकों का विश्वास भी बढ़ेगा, क्योंकि उन्हें एक स्थिर, सक्षम और प्रतिबद्ध साझेदार के रूप में भारत दिखाई देता है। तकनीकी लाभ की दृष्टि से यह परियोजना अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत लंबे समय से सॉफ्टवेयर शक्ति के रूप में विश्व में अग्रणी रहा है, लेकिन हार्डवेयर निर्माण में अपेक्षाकृत पीछे था। माइक्रोन की इस फैसिलिटी के माध्यम से उन्नत पैकेजिंग और टेस्टिंग तकनीकों का विकास होगा, जिससे देश में उच्च कौशल वाले तकनीकी विशेषज्ञ तैयार होंगे। इंजीनियरिंग, डिजाइन और अनुसंधान के क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे। इससे स्टार्टअप इकोसिस्टम को भी प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि एआई आधारित नवाचार के लिए घरेलू स्तर पर चिप सपोर्ट उपलब्ध होगा। रणनीतिक लाभ के स्तर पर सेमीकंडक्टर निर्माण किसी भी राष्ट्र की सुरक्षा और आत्मनिर्भरता से जुड़ा होता है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बाधा आने पर जिन देशों के पास चिप उत्पादन की क्षमता नहीं होती, वे गंभीर संकट का सामना करते हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान दुनिया ने चिप की कमी का प्रभाव देखा था। ऐसे में साणंद की यह इकाई भारत को आपूर्ति श्रृंखला के जोखिम से आंशिक सुरक्षा प्रदान करती है और रक्षा, अंतरिक्ष तथा दूरसंचार जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के लिए दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करती है। सामाजिक और शैक्षिक लाभ भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। जब किसी क्षेत्र में उच्च तकनीकी उद्योग स्थापित होता है, तो वहां कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा और अनुसंधान की संस्कृति विकसित होती है। विश्वविद्यालयों और उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ता है। युवाओं को वैश्विक स्तर की तकनीक के साथ काम करने का अवसर मिलता है। इससे देश में नवाचार की मानसिकता को बढ़ावा मिलता है, जो एआई क्रांति के लिए आवश्यक है।

एआई क्रांति का आधार सेमीकंडक्टर इसलिए है क्योंकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल सॉफ्टवेयर का खेल नहीं है। उसे गति देने के लिए विशेष प्रकार की चिप्स, उच्च मेमोरी क्षमता और ऊर्जा कुशल प्रोसेसर की आवश्यकता होती है। माइक्रोन जैसी वैश्विक कंपनी की उपस्थिति भारत को इस दिशा में विश्वसनीयता प्रदान करती है। यह संदेश स्पष्ट है कि भारत केवल बाजार नहीं, बल्कि विनिर्माण और नवाचार का केंद्र भी बन सकता है। प्रधानमंत्री का यह कथन कि भारत तैयार है, भारत भरोसेमंद है और भारत परिणाम देता है, इस परियोजना के माध्यम से मूर्त रूप लेता दिखाई देता है। साणंद से शुरू हुई यह सेमीकंडक्टर क्रांति केवल गुजरात तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी स्थापित हो रहे प्रोजेक्ट्स के माध्यम से एक व्यापक इकोसिस्टम का निर्माण करेगी। जब चिप निर्माण, डिजाइन, पैकेजिंग और अनुसंधान एक साथ विकसित होंगे, तब भारत एआई आधारित वैश्विक प्रतिस्पर्धा में अग्रणी भूमिका निभा सकेगा। आज जब दुनिया डिजिटल प्रभुत्व की होड़ में लगी है, तब सेमीकंडक्टर निर्माण क्षमता किसी भी राष्ट्र की तकनीकी संप्रभुता का प्रतीक बन चुकी है। साणंद की माइक्रोन सेमीकंडक्टर फैसिलिटी इस दिशा में भारत का निर्णायक कदम है। यह केवल औद्योगिक परियोजना नहीं, बल्कि 21वीं सदी की एआई क्रांति के केंद्र में भारत की भागीदारी का उद्घोष है। माइक्रोचिप अब ऊर्जा का स्रोत नहीं, बल्कि ज्ञान, नवाचार और प्रगति की नई शक्ति बन चुकी है। इसी शक्ति के सहारे भारत वैश्विक मंच पर तकनीकी नेतृत्व की ओर अग्रसर है।

**कांतिलाल मांडोत**

# कहीं फूलों से कहीं चिता की राख से खेली जाती है होली!

समूचे देश समेत विशेषकर उत्तर भारत में मनाया जाने वाला होली पर्व आस्था विश्वास ऋतु परिवर्तन और सामाजिक एकता का लोकपर्व है। होली के दिन समूचा समाज सवर्ण असवर्ण गरीब अमीर सबल निर्बल राजा प्रजा ऊंच नीच के दायरे से बाहर आकर एक दूसरे को रंग गुलाल लगा कर सामाजिक समरसता व सौहार्द का सूत्रपात करता है यह लोकपर्व इतना सजीव व सामाजिक वैज्ञानिक आधार से जुड़ा है कि इस की प्रासंगिकता कभी खत्म नहीं हो सकती है। इस लोकपर्व के संबंध में प्रहलाद और होलिका की कथा सबसे ज्यादा प्रचलित है। पुराने समय में हिरण्यकश्यपु का पुत्र प्रहलाद विष्णु जी का परम भक्त था। ये बात हिरण्यकश्यपु को पसंद नहीं थी। इस वजह से वह प्रहलाद को मारना चाहता था। असुर राज हिरण्यकश्यपु ने बहुत कोशिश की, लेकिन प्रहलाद को मार नहीं सका। तब असुरराज की बहन होलिका प्रहलाद को लेकर आग में बैठ गई। होलिका को आग में न जलना का वरदान मिला हुआ था, लेकिन भगवान विष्णु जी की कृपा से होलिका जल गई और प्रहलाद बच गया। तभी से प्रहलाद की जीत के रूप में होलिका दहन का पर्व मनाया जाता है।युगों पहले की घटना को याद करते हुए भक्त प्रहलाद के सकुशल बचने की खुशी लेकर जिस तरह से रंग गुलाल लगा कर खुशी मनाई गई थी आज भी उसी तरह खुशी मनाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है तथा होली के संबंध में प्रहलाद और होलिका की कथा सबसे ज्यादा प्रचलित है। पुराने समय में राजा हिरण्यकश्यपु का पुत्र प्रहलाद विष्णु जी का परम भक्त था। ये बात हिरण्यकश्यपु को पसंद नहीं थी। इस वजह से वह प्रहलाद को मारना चाहता था। असुर राज हिरण्यकश्यपु ने बहुत कोशिश की, लेकिन प्रहलाद को मार नहीं सका। तब असुरराज की बहन होलिका प्रहलाद को लेकर आग में बैठ गई। होलिका को आग में न जलना का वरदान मिला हुआ था, लेकिन विष्णु जी की कृपा से होलिका जल गई और प्रहलाद बच गया। तभी से प्रहलाद की जीत के रूप में होलिका दहन का पर्व मनाया जाता है।युगों पहले जिस तरह भक्त प्रहलाद के सकुशल बच जाने पर लोगोंने रंग गुलाल लगा कर खुशी मनाई थी आज भी उसी तरह खुशी मनाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है।

### गाली देने की रीति

होली के गीतों में वैसे भी गालियां पिरोई होती हैं। शब्दों का प्रयोग कुछ इस प्रकार किया गया होता है कि लोग उसे सुन कर मस्ती करते हैं और उन्हें भीतर तक गुदगुदी होती है। वाराणसी, मिथिलांचल, कुमाऊं, राजस्थान, हरियाणा में होली पर गाली की अनोखी परंपरा है। होली एक ऐसा त्योहार है, जो रंगों की मस्ती के साथ-साथ गालियों और गुदगुदाते गीतों के लिए भी खूब जाना जाता है। इसीलिए इस त्योहार को सबसे अनूठा कहते हैं। साल भर लोगों को इसका इंतजार रहता है। लोग गालियों और गीतों के जरिए अपनी भड़ास निकालते हैं। जैसा प्रदेश, वैसे गीत और वैसी ही वहां की गालियां। बहुरंगी होली की ये छटा दुनिया भर में निराली है। काशी की परंपराएं इसलिए अनूठी हैं क्योंकि यहां होली पर गालियों का भी अपना एक अलग संस्कार देखने को मिलता है। दूसरे शहरों में गाली देने पर मार हो जाए, लेकिन यहां होली पर गालियां मनभावन लगती हैं।

### लट्ठमार होली

श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा से करीब 50 किमी दूर बरसाना की होली बहुत खास होती है। बरसाना में कई दिनों तक लट्ठमार होली खेली जाती है। फाल्गुन पूर्णिमा से पहले ही लोग यहां होली खेलना शुरू कर देते हैं। पास के नंदगांव के पुरुष बरसाना आते हैं और बरसाना के पुरुष नंदगांव जाते हैं। इन गांवों की महिलाएं पुरुषों को लट्ठ मारती हैं और पुरुष ढाल से बचने की कोशिश करते हैं। ये होली देखने देश-विदेश से लाखों लोग यहां आते हैं।

### फूलों की होली

मान्यता है कि मथुरा-वृंदावन में श्रीकृष्ण ने राधा और गोपियों के साथ होली खेली थी। इसी वजह से इन जगहों पर होली की अच्छी खासी धूम होती है। मथुरा-वृंदावन में श्रीकृष्ण के भक्त बड़ी संख्या में होली खेलने पहुंचते हैं। यहां के मंदिरों में फूलों से होली खेली जाती है।बांके बिहारी मंदिर में फूलों की होली अवर्णनीय है।

### मसाने की होली

वाराणसी(काशी) के मणिकर्णिका घाट पर खेली जाने वाली होली विश्व प्रसिद्ध है। यहां श्मशान की राख से होली खेली जाती है। मान्यता है कि शिव जी ने यहां अपने गणों के साथ चिता की राख से होली खेली थी। इसी मान्यता की वजह से आज भी शिव भक्त यहां मसाने की होली खेलते हैं। देश दुनिया में यह एकमात्र ऐसी होली है जिसमें चिता भस्म को रंग गुलाल की तरह इस्तेमाल करते हुए होली खेलते हैं। उत्तराखंड में होली संगीत और गायन के साथ मनाई जाती है,जिसे 'बैठकी होली' कहा जाता हैजहाँ शास्त्रीय और पारंपरिक गीतों का गायन होता है। केरल के कोंकणी और कुडुंबी समुदाय के लोग इस दिन रंगों के बजाय हल्दी (मंजल) मिले पानी का उपयोग करते हैंजो शुद्धिकरण का प्रतीक है महाराष्ट्र और गोवा में यहाँ होली को रंग पंचमी या शिग्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है जो बसंत पंचमी से शुरू होता है

### फालेन गांव की होली

एक ऐसी भी होली है जहां जलती होली की लपटों के बीच पंडा नंगे पांव निकल जाता है लेकिन खरोंच तक नहीं आती है। मथुरा से करीब 50 किमी दूर एक गांव है फालैन। इसे प्रहलाद का गांव भी कहते हैं। फालैन गांव की होली की खास बात ये है कि यहां जलती हुई होली के बीच में से एक पंडा चलकर गुजरता है। होली ऊंची-ऊंची लपटों से निकलने के बाद भी पंडे का बाल तक नहीं जलता है। ये चमत्कार देखने के लिए देश-दुनिया से काफी लोग यहां पहुंचते हैं।

### कर्नाटक की होली

कर्नाटक के हम्पी की होली भी दुनियाभर में फेमस है। ये जगह यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज में शामिल है। इस जगह का संबंध त्रेतायुग की वानर सेना से है। मान्यता है कि सुग्रीव अपनी वानर सेना के साथ इसी क्षेत्र में रहते थे। यहां होली पर बड़ा आयोजन होता है। हजारों लोग यहां होली खेलने आते हैं।

### राजस्थान की होली

उदयपुर और पुष्कर में आज भी शाही ठाट तरीकों से होली खेली जाती है। इस मौके पर राजपुताना आन बान शान देखने को मिलती है। कई दूसरे एशियाई देशों में भी होली के प्रतिरूप रंगों का पर्व मनाया जाता है लेकिन भारतीय होली यकीनन आज भी अनूठी मस्ती से भरी है यह समाज को एक सूत्र में पिरो कर उमंग व उत्साह का संचार करती है।

**मनोज कुमार अग्रवाल**

# खामेनेई के बाद की ईरान की रणनीति और भारत पर उसका असर

अयातुल्लाह अली खामेनेई की मृत्यु और उसके बाद मोजतबा खामेनेई का सत्ता के केंद्र में आना ईरान के इतिहास का वह मोड़ हैए जहाँ से वापसी का रास्ता केवल संघर्ष और रणनीतिक आक्रामकता से होकर गुजरता है। ईरान की आगामी रणनीति अब केवल अस्तित्व बचाने की नहींए बल्कि अपने खोये हुए गौरव और नेतृत्व के अपमान का बदला लेने की है। अहमद वाहिदी जैसे कट्टरपंथी सैन्य रणनीतिकार के हाथों में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स की कमान होने का सीधा अर्थ है कि ईरान अब ष्रणनीतिक धैर्यष् की नीति को त्यागकर ष्प्रत्यक्ष प्रतिशोधष् के युग में प्रवेश कर चुका है। मोजतबा खामेनेई के लिए चुनौती दोहरी हैरू उन्हें न केवल अपने पिता की विरासत को सुरक्षित रखना हैए बल्कि देश के भीतर पनप रहे असंतोष और बाहर से हो रहे सैन्य प्रहारों के बीच एक संतुलन बनाना है। ईरान की अगली चालों में सबसे महत्वपूर्ण उसका परमाणु कार्यक्रम होगा। अंतरराष्ट्रीय दबाव और हमलों के बावजूदए ईरान अब परमाणु हथियार की क्षमता को एक ष्अंतिम सुरक्षा कवचष् के रूप में देख रहा है। 2025.26 के इस कालखंड में ईरान का 90 प्रतिशत तक यूरेनियम संवर्धन करना केवल तकनीकी उपलब्धि नहींए बल्कि एक भू.राजनीतिक ब्लैकमेल का हथियार हैए जो पश्चिम को सीधे टकराव से रोकने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। क्षेत्रीय स्तर परए ईरान अपने ष्एक्सिस ऑफरेसिस्टेंसष् यानी हिजबुल्लाहए हूती और हमास को नई ऊर्जा और आधुनिक हथियारों से लैस करेगा ताकि इजरायल और अमेरिकी ठिकानों पर लगातार दबाव बना रहे। होर्मुज जलडमरूमध्य की घेराबंदी ईरान का वह ब्रह्मास्त्र हैए जिसे वह वैश्विक अर्थव्यवस्था को घुटनों पर लाने के लिए इस्तेमाल कर सकता है।

इस भीषण उथल.पुथल के बीच भारत की स्थिति अत्यंत नाजुक और चुनौतीपूर्ण हो गई है। भारत के लिए ईरान केवल एक भौगोलिक इकाई नहींए बल्कि पश्चिम और मध्य एशिया तक पहुँचने का प्रवेश द्वार है। ईरान में इस तरह का नेतृत्व परिवर्तन और युद्ध की स्थिति भारत की श्स्ट्रेटेजिक ऑटोनोमीश् यानी रणनीतिक स्वायत्तता की कड़ी परीक्षा है। भारत ने हमेशा से एक संतुलनकारी शक्ति की भूमिका निभाई हैए जहाँ उसने एक तरफइजरायल के साथ गहरे रक्षा संबंध बनाए रखे हैंए वहीं दूसरी तरफ ईरान के साथ चाबहार पोर्ट जैसे रणनीतिक निवेशों के जरिए अपनी कनेक्टिविटी को सुरक्षित किया है। खामेनेई के बाद यदि ईरान पूरी तरह से चीन और रूस के पाले में चला जाता हैए जैसा कि वर्तमान संकेतों से लग रहा हैए तो भारत के लिए अपनी स्वायत्तता बनाए रखना कठिन होगा। अमेरिका और इजरायल के साथ भारत की बढ़ती निकटता के बीच ईरान का नया कट्टरपंथी नेतृत्व नई दिल्ली को संदेह की दृष्टि से देख सकता है। यदि ईरान पर और कड़े प्रतिबंध लगते हैं या वह पूर्ण युद्ध में उलझता हैए तो चाबहार बंदरगाह और श्इंटरनेशनल नॉर्थ.साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोरश् जैसे प्रोजेक्ट ठंडे बस्ते में जा सकते हैंए जो भारत के लिए मध्य एशिया और यूरोप तक पहुँचने का सबसे छोटा और सस्ता रास्ता हैं। भारत की विदेश नीति के लिए यह वह समय है जब उसे ष्गुटनिरपेक्षता 2ण्0ष् के सिद्धांतों पर चलते हुए यह सुनिश्चित करना होगा कि वह किसी एक पक्ष का मोहरा न बने। ऊर्जा सुरक्षा के मोर्चे परए ईरान का संकट भारत के लिए एक आर्थिक सुनामी की तरह हो सकता है। भारत अपनी तेल जरूरतों का 80 प्रतिशत से अधिक आयात करता है। यद्यपि भारत ने हाल के वर्षों में रूस और खाड़ी देशों से तेल आयात बढ़ाकर अपनी निर्भरता को विविधीकृत किया हैए लेकिन मध्य पूर्व में किसी भी प्रकार की सैन्य अस्थिरता सीधे तौर पर वैश्विक तेल कीमतों को प्रभावित करती है। यदि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बाधित करता हैए तो कच्चा तेल 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जा सकता हैए जिससे भारत का राजकोषीय घाटा बढ़ेगा और घरेलू स्तर पर महंगाई अनियंत्रित हो जाएगी। इसके अलावाए इराक और सऊदी अरब जैसे देशों से आने वाला तेल भी इसी अशांत क्षेत्र से होकर गुजरता हैए जिससे भारत की आपूर्ति श्रृंखला टूटने का खतरा है। ऊर्जा सुरक्षा केवल तेल की उपलब्धता तक सीमित नहीं हैए बल्कि इसकी कीमत की स्थिरता पर भी निर्भर करती है। ईरान की अस्थिरता भारत के निवेश और भविष्य की गैस पाइपलाइन परियोजनाओं को भी अनिश्चितता की ओर धकेलती है।

सामाजिक और सुरक्षा के दृष्टिकोण से देखें तो ईरान और पश्चिम के बीच बढ़ता तनाव भारत के भीतर के जनसांख्यिकीय संतुलन और प्रवासी सुरक्षा को भी प्रभावित करता है। पश्चिम एशिया में लाखों भारतीय काम करते हैंए जिनकी सुरक्षा और वहां से आने वाला प्रेषण ;त्मउपजजंदबमद्ध भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यदि युद्ध फैलता हैए तो इन भारतीयों की सुरक्षित वापसी एक बड़ी लॉजिस्टिक चुनौती होगी। साथ हीए ईरान की कट्टरपंथी रणनीति का प्रभाव क्षेत्र के अन्य कट्टरपंथी समूहों पर भी पड़ सकता हैए जिससे भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए नए खतरे पैदा हो सकते हैं। भारत को अपनी समुद्री सुरक्षा को और अधिक चाक.चौबंद करना होगाए विशेषकर अरब सागर में जहाँ हूती विद्रोही व्यापारिक जहाजों को निशाना बना रहे हैं। भारतीय नौसेना को अब केवल अपनी सीमाओं की नहींए बल्कि अपने व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए एक सक्रिय सुरक्षा प्रदाता की भूमिका निभानी होगी।

अंततःए खामेनेई के बाद का ईरान एक ऐसा ज्वालामुखी है जिसके फटने का असर वाशिंगटन से लेकर नई दिल्ली तक महसूस किया जाएगा। मोजतबा खामेनेई और अहमद वाहिदी की जोड़ी ईरान को एक सैन्यीकृत धार्मिक शासन की ओर ले जा रही हैए जो कूटनीति से अधिक शक्ति प्रदर्शन में विश्वास रखता है। भारत के लिए आगामी समय बहुत ही संभलकर चलने का है। उसे अपनी श्रणनीतिक स्वायत्तताश् को ढाल बनाकर अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करनी होगीए भले ही इसके लिए उसे कठिन कूटनीतिक फैसले लेने पड़ें। भारत को चाहिए कि वह ईरान के नए नेतृत्व के साथ अनौपचारिक माध्यमों से संवाद बनाए रखे और साथ ही अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार को और अधिक मजबूत करे। ईरान का यह संकट वैश्विक व्यवस्था के पुनर्निर्धारण का संकेत हैए और भारत को इस बदलती व्यवस्था में एक दर्शक के बजाय एक निर्णायक भूमिका निभानी होगीए ताकि उसकी ऊर्जा सुरक्षा और संप्रभुता पर कोई आंच न आए। ईरान की अगली चालें केवल उसके भविष्य को ही नहींए बल्कि भारत की रणनीतिक महत्वाकांक्षाओं को भी नई दिशा देंगी।

**महेन्द्र तिवारी**

# संपादकीय

## क्या शिंदे को भाजपा ने साध लिया है?

**'चलो गफ़लतों के ही**
**कुछ कारोबार हो जाए**
**क्या पता एक दिन तुझे**
**मुझसे ही प्यार हो जाए'**

महाराष्ट्र की राजनीति में गठबंधन साथी की बेचैनी ने कई नए पेंचोखम उलझा दिए हैं। अभी-अभी तो अजित दादा की पार्टी से भाजपा का ठीक से तालमेल बैठ ही रहा था, सुनेत्रा ताई को सियासत का नया ककहरा कंठस्थ कराने में देवेंद्र फडणवीस की महारथ परवान ही चढ़ रही थी कि एकनाथ शिंदे ने भाजपा की पेशानियों पर नए बल ला दिए हैं। पहले भाजपा के एक बड़े नेता की ओर से शिंदे से कहा गया था कि 'एक बार महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव ठीक ढंग से संपन्न हो जाएं फिर बैठ कर सारी आपसी गलतफहमियां सुलझा ली जाएंगी।' निकाय चुनावों में भाजपा गठबंधन की बंपर जीत के बाद शिंदे ने भाजपा एक बड़े नेता से मिलने का वक्त मांगा, तो समझा जाता है कि शिंदे से कहा गया कि 'वह अभी बहुत व्यस्त हैं, सो वे दूसरे नेता से मिलकर बात कर लें।' सूत्रों की मानें तो भाजपा के इस बड़े नेता संग शिंदे की अब तक दो बार बात हो चुकी है, अंततः उनसे कहा गया है कि 'एक बार उन्हें देवेंद्र फडणवीस के साथ बैठना पड़ेगा।' सूत्रों की मानें तो शिंदे के मन में अभी भी सीएम के ढाई-ढाई साल के फार्मूले वाली बात चल रही है, पर भाजपा इसके लिए तैयार नहीं दिखती, सो उनसे कहा गया है कि 'अगर शिंदे चाहें तो उनके सांसद पुत्र को केन्द्र सरकार में मंत्री बनाया जा सकता है,' सनद रहे कि शिंदे के बेटे श्रीकांत एकनाथ शिंदे कल्याण से सांसद हैं। इस बीच एक घटना और घट गई जो शिंदे को बेतरह उद्वेलित कर रही है, कहते हैं संसद के इस बजट सत्र के दौरान जब बड़े नेता क्षेत्रीय सांसदों से मिल रहे थे तो इस कड़ी में वे शिवसेना शिंदे गुट के 7 सांसदों से भी बेहद गर्मजोशी से मिले और बोले- 'मैं आप सभी को अपने परिवार की तरह ही मानता हूं, इसीलिए मेरे ऊपर भी आपका पूरा अधिकार है, आप बिना संकोच मुझसे कभी भी मिल सकते हैं।' जाहिर है इन मुलाकाती सांसदों की सूची में शिंदे पुत्र श्रीकांत भी शामिल थे, जिन्होंने अपने पिता को इस मुलाकात के बारे में विस्तार से बताया होगा।

### कैसे लाइन पर आए हिमंता?

असम भाजपा के कुछ वरिष्ठ नेतागण और कुछ पार्टी सांसद जो अपने ही मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के रवैए से पिछले कुछ समय से नाराज़ चल रहे थे, वे समय लेकर भाजपा के एक बड़े नेता से मिलने दिल्ली पहुंचे। इस भाजपा नेताओं की आमतौर पर बस यही राय थी कि 'सीएम अपनी बात-व्यवहार में बहुत 'एरोगेंट' हैं और एक 'डिक्टेटर' की तरह सरकार चला रहे हैं।' इस बैठक में मौजूद भाजपा के एक पूर्व अध्यक्ष ने तो यहां तक कह दिया कि 'हिमंता के डीएनए में भाजपा है ही नहीं, वे कांग्रेस से आए हैं और अब भी वैसी ही सोच रखते हैं।' इस नेता की शिकायत थी कि 'सीएम ने तो अपनी पार्टी के लोगों पर ही 'सर्विलांस' लगा रखी है।' उनकी इस बात पर भाजपा के बड़े नेता भी खासे कुपित हुए, बोले- 'भाजपा शासित राज्यों का कोई भी सीएम ऐसा नहीं है जो दावा कर सके कि पार्टी उनकी वजह से वहां जीती है, हमें जो भी वोट आते हैं वे माननीय मोदी जी की वजह से और हमारे समर्पित कार्यकर्ताओं की मेहनत की वजह से। वैसे भी इस बार हम फिर से असम में जीत रहे हैं, जीत के बाद हम आप लोगों के साथ मिलकर फैसला लेंगे कि किस नेता के हाथों राज्य की बागडोर देनी है।' इस मीटिंग की खबर जैसे ही हिमंता बिस्वा को लगी उनका खुद के ऊपर अतिविश्वास ही डोल गया। उन्होंने अगले रोज जो प्रेस कांफ्रेंस आहूत की थी उसमें जनाब बदले-बदले से नज़र आ रहे थे, उनके रौद्र रूप की जगह उनकी विन्रम भाव-भंगिमाओं ने ले लिया था, उन्होंने उस प्रेस कांफ्रेंस में खुद को भाजपा का समर्पित कार्यकर्ता बताते हुए कहा- 'मेरा पूरा जीवन भाजपा के लिए समर्पित है, मेरे लिए पार्टी का हर फैसला सिर आंखों पर, जब तक मेरा जीवन है मैं भाजपा व असम के लोगों की सेवा में लगाऊंगा और असम में यह चुनाव किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरी पार्टी का है।' पत्रकार भी हैरान-परेशान कि आज उनका सामना किस हिमंता से हुआ है?

### जब योगी से मिले सुजुकी

योगी आदित्यनाथ अपनी जापान यात्रा में वहां के कई बड़े उद्योगपतियों से मिले। पर इन तमाम बैठकों में उनके नजरिये से सबसे अहम मुलाकात रहने वाली थी सुजुकी मोटर्स के मुखिया तोशीहीरो सुजुकी से। योगी ने अपने उद्बोधन में कहा कि 'उनकी दिली इच्छा है कि भारत में सुजुकी का सबसे बड़ा प्लांट यूपी में लगे', योगी ने सुजुकी को संबोधित करते हुए कहा कि 'वे गुड़गांव स्थित उनके मनेसर प्लांट से भी ज्यादा बड़ी जगह यूपी में उपलब्ध कराने को तैयार हैं।' जब तोशीहीरो सुजुकी के बोलने की बारी आई तो वे बोलते-बोलते किंचित भावुक भी हो गए, उन्होंने कहा कि सुजुकी को भारत ले जाने का सपना उनके स्वर्गीय पिता ने देखा था, वे तब के भारत के एक युवा नेता संजय गांधी की दूरदृष्टिता के कायल थे, संजय चाहते थे कि भारत में ही एक ऐसी कार का निर्माण हो जिसे एक आम हिंदुस्तानी की जेब वहन कर सके। सही मायनों में वे जनता की कार चाहते थे, मेरे पिता ने उनकी भावनाओं को समझा और हमने भारत की ओर रुख किया। यह आज सुजुकी का सबसे सफल उपक्रम है, हमारी कंपनी को सिर्फ इस प्लांट से काफी भारी मुनाफा होता है। इस जगह को हम अपने लिए बेहद पवित्र मानते हैं और यहां से हमारा एक 'इमोशनल कनेक्ट' भी है।' तब योगी के साथ गए अधिकारियों ने सुजुकी को समझाया कि 'मुख्यमंत्री जी आपसे गुड़गांव वाला प्लांट छोड़ने की नहीं, अपितु यूपी में एक नया प्लांट लगाने की बात कर रहे हैं।' सुजुकी मुस्कुराए, बोले-'आपके सीएम की इच्छा जरूर पूरी होगी।'

### जय योगीमय हो गया सिंगापुर

इस दफे जब यूपी के लिए निवेश की चाह लिए मुख्यमंत्री योगी सिंगापुर पहुंचे तो 800-1000 लोगों की भीड़ ने योगी-योगी के नारों से सिंगापुर वालों को चौंका दिया हालांकि कुछ सूत्रों का दावा है कि योगी की यह हनक दिखाने के लिए जौनपुर-गोरखपुर के 700-800 लोगों को प्रायोजित तरीके से पहले ही सिंगापुर भेज दिया गया था। सूत्रों का दावा है कि योगी की आने वाली यात्राएं अमेरिका और कुछ यूरोपीय देशों को लेकर अभी से प्लॉन हो गई हैं। योगी मंडली का भरोसा है कि दुनिया में जहां भी हिंदुत्व में आस्था रखने वाले लोग रह रहे हैं, वे अपनी धरती पर योगी का दिल खोलकर स्वागत करेंगे।

### जब विरोध मैत्री में बदल गया

सिंगापुर की धरती पर कदम रखते ही योगी को इस बात का पता चला कि वहां के विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे भारतीय छात्र-छात्राओं का एक छोटा सा समूह उनके खिलाफ नारेबाजी कर सकता है। तब योगी ने बेहद चतुराई का परिचय देते हुए छात्रों के उस ग्रुप को पहले ही अपने पास मिलने के लिए बुला लिया। योगी यह समझने की कोशिश करने लगे कि आखिर छात्रों की नाराज़गी किस बात को लेकर है। तब उन छात्रों के गुट ने बताया कि 'वे यहां यूजीसी के विरोध के लिए आए हैं।' कुछ छात्रों के हाथों में यूजीसी विरोध की तख्तियां भी थी। तब योगी ने उन्हें समझाया कि 'आखिरकार यूजीसी से उनका क्या लेना-देना, यह तो केंद्र का मैटर है, इस पर उनका फैसला है। मैं तो बस यूपी के लिए निवेश का आह्वान लेकर आया हूं' बच्चे योगी की बातों से सहमत हो गए और उन्होंने अपना विरोध-प्रदर्शन वापिस ले लिया।

### क्या पीके पड़ गए हैं फीके?

बिहार चुनाव को लेकर अपनी दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट से 'सुप्रीम फटकार' खाने के बाद कहते हैं पीके ने अपनी जन सुराज पार्टी की कोर ग्रुप की एक अहम बैठक दिल्ली में तलब की थी, पर 25 में कोर ग्रुप के 18 सदस्यों ने बैठक में आ सकने में असमर्थता जता दी। तब ही पीके को कहीं न कहीं इस बात का गहरे इल्म हो चुका था कि 'उनके जन सुराज का 'कांसेप्ट' फेल हो गया है।' इसके बाद ही वे अपने को सियासी रूप से समीचीन बनाने के रास्ते तलाशने में जुट गए। वे चेन्नै जाकर एक्टर टर्न राजनेता विजय से मिले, पर विजय पीके का पूरा पैकेज लेने को राजी नहीं दिखे। बीएमसी चुनाव से पहले वे उद्धव ठाकरे से और हैदराबाद जाकर चंद्रशेखर राव से भी मिल आए थे, पर ये दोनों ही जगह जब उनकी बात नहीं बनी तो उन्होंने फिर अपने तार सपा मुखिया अखिलेश यादव से जोड़ने की गरज से उन्हें फोन करना शुरू कर दिया। कोई 4-5 कॉल के बाद अखिलेश लाइन पर आए और उन्होंने पीके को मिलने के लिए लखनऊ बुला लिया। जहां दोनों के बीच कोई डेढ़ घंटे की मुलाकात हुई। पीके बंगाल मॉडल के तर्ज पर ही अखिलेश को अपनी सेवाएं देने को तत्पर थे, पर अखिलेश जानते हैं कि पीके एक ऐसे डॉक्टर है, उनकी दवाईयों ने ही उन्हें बीमार कर दिया है। सूत्रों की मानें तो अखिलेश ने दो टूक पीके से कहा- 'हम आपको अपने पूरे चुनाव का काम नहीं दे सकते, न ही चुनाव इंचार्ज बना सकते हैं, आप यूपी चुनाव पर अपने 'इनपुट' देते रहिए, फिर हम देखेंगे कि आप हमारे लिए कितने उपयोगी साबित हो सकते हैं।'

### ...और अंत में

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने जिस अंदाज में अपना प्रेस कांफ्रेंस आहूत किया फिर उसके बाद भाजपा के कुछ समर्पित चैनलों से बिंदास बातचीत की उनकी यह अदा या खता भाजपा के बड़े नेताओं को रास नहीं आई है। कहते हैं भाजपा की ओर से पुरी को कहा गया कि 'उनके बोलने के अंदाज से ही उनका दर्द झलक रहा था और उन्होंने इस मामले को सुलझाने की जगह और भी उलझा दिया है। आखिरकार उन्हें यह कहने की क्या आवश्यकता आन पड़ी थी कि वे कुख्यात यौन अपराधी एप्स्टीन से विश्व शां?ि?त के लिए मिल रहे थे।' उन्हें आगे मीडिया से बात नहीं करने की ताकीद भी दी गई है।

# मध्यपूर्व की जंग और विश्व व्यवस्था पर मंडराता संकट

पश्चिम एशिया में छिड़ी इजराइल अमेरिका और ईरान के बीच की भीषण सैन्य टकराहट ने वैश्विक राजनीति को अस्थिर कर दिया है। इजराइल और अमेरिका द्वारा ईरान के रणनीतिक ठिकानों पर की गई एयरस्ट्राइक तथा उसके जवाब में ईरान के मिसाइल और ड्रोन हमलों ने पूरे क्षेत्र को युद्ध की आग में झोंक दिया है। खाड़ी क्षेत्र के कई देशों में अमेरिकी सैन्य अड्डों को निशाना बनाए जाने से यह संघर्ष केवल दो देशों तक सीमित नहीं रहा बल्कि बहुस्तरीय क्षेत्रीय युद्ध का रूप लेता दिखाई दे रहा है। यदि यह टकराव लंबा खिंचता है तो इसके दूरगामी प्रभाव पूरी दुनिया को प्रभावित करेंगे।

आगे की स्थिति बेहद संवेदनशील है। ईरान यदि होर्मुज जलडमरूमध्य पर दबाव बनाता है तो ऊर्जा आपूर्ति की वैश्विक धमनियां प्रभावित होंगी। यह मार्ग विश्व के बड़े हिस्से के कच्चे तेल और एलएनजी की आपूर्ति का मुख्य रास्ता है। यदि इस मार्ग पर सैन्य गतिविधि बढ़ती है या आवागमन बाधित होता है तो ऊर्जा संकट गहरा सकता है। इससे न केवल तेल की कीमतों में उछाल आएगा बल्कि परिवहन लागत और उत्पादन लागत भी बढ़ेगी। ऊर्जा पर निर्भर उद्योगों में महंगाई का दबाव बढ़ेगा और वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर बढ़ सकती है।

व्यापार पर इसका असर बहुआयामी होगा। खाड़ी क्षेत्र एशिया यूरोप और अफ्रीका के बीच एक प्रमुख व्यापारिक सेतु है। दुबई दोहा रियाद जैसे शहर अंतरराष्ट्रीय व्यापार और लॉजिस्टिक्स के बड़े केंद्र हैं। यदि हवाई क्षेत्र बंद होते हैं और समुद्री मार्ग असुरक्षित होते हैं तो कंटेनर शिपिंग और एयर कार्गो पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। जहाजों को लंबा वैकल्पिक मार्ग अपनाना पड़ेगा जिससे समय और लागत दोनों बढ़ेंगे। वैश्विक सप्लाई चेन जो पहले ही महामारी और अन्य भू राजनीतिक संकटों से जूझ चुकी है वह फिर से बाधित हो सकती है। इलेक्ट्रॉनिक्स ऑटोमोबाइल फार्मास्यूटिकल्स और खाद्य तेल जैसे क्षेत्रों में कीमतें बढ़ने की आशंका है।

भारत जैसे देशों के लिए स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक हो सकती है क्योंकि ऊर्जा आयात का बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आता है। यदि तेल की कीमतें तेजी से बढ़ती हैं तो चालू खाता घाटा और मुद्रास्फीति पर दबाव बढ़ेगा। सरकारों को ईंधन सब्सिडी या करों में राहत देने जैसे कदम उठाने पड़ सकते हैं जिससे राजकोषीय संतुलन प्रभावित होगा। साथ ही खाड़ी देशों में कार्यरत प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षा और उनकी आय पर भी असर पड़ सकता है जिससे रेमिटेंस में कमी आ सकती है।

डॉलर की कीमत पर भी इस युद्ध का गहरा प्रभाव पड़ सकता है। परंपरागत रूप से वैश्विक संकट के समय निवेशक सुरक्षित निवेश की ओर भागते हैं और अमेरिकी डॉलर को सुरक्षित मुद्रा माना जाता है। इसलिए शुरुआती चरण में डॉलर की मांग बढ़ सकती है जिससे अन्य मुद्राओं के मुकाबले उसकी कीमत मजबूत हो सकती है। उभरती अर्थव्यवस्थाओं की मुद्राएं दबाव में आ सकती हैं और उनके केंद्रीय बैंकों को विनिमय दर स्थिर रखने के लिए हस्तक्षेप करना पड़ सकता है। हालांकि यदि युद्ध लंबा चलता है और अमेरिका सीधे बड़े पैमाने पर सैन्य संलिप्तता बढ़ाता है तो अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर भी राजकोषीय दबाव बढ़ेगा। रक्षा व्यय में वृद्धि और वैश्विक व्यापार में गिरावट का असर अमेरिकी विकास दर पर पड़ सकता है जिससे दीर्घकाल में डॉलर की मजबूती सीमित हो सकती है। सोना और अन्य सुरक्षित निवेश साधनों में तेजी देखने को मिल सकती है। निवेशक जोखिम से बचने के लिए शेयर बाजार से पूंजी निकालकर सुरक्षित परिसंपत्तियों में निवेश कर सकते हैं। इससे शेयर बाजारों में गिरावट और अस्थिरता बढ़ेगी। तेल उत्पादक देशों की आय बढ़ सकती है यदि कीमतें ऊंची रहती हैं लेकिन आयातक देशों के लिए यह महंगाई और आर्थिक दबाव का कारण बनेगा। वैश्विक केंद्रीय बैंक ब्याज दरों की नीति पर पुनर्विचार करने को मजबूर हो सकते हैं क्योंकि एक ओर महंगाई का खतरा होगा और दूसरी ओर विकास दर में गिरावट का जोखिम।

राजनीतिक स्तर पर भी इस संघर्ष के दूरगामी परिणाम होंगे। यदि रूस और चीन जैसे देश अप्रत्यक्ष रूप से ईरान का समर्थन करते हैं और पश्चिमी देश इजराइल के साथ खड़े रहते हैं तो वैश्विक ध्रुवीकरण और गहरा सकता है। संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका कसौटी पर होगी। कूटनीतिक समाधान की संभावनाएं यदि समय रहते मजबूत नहीं की गई तो यह युद्ध क्षेत्रीय सीमाओं से बाहर निकलकर व्यापक भू राजनीतिक संघर्ष में बदल सकता है। आगे की स्थिति इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या पक्ष वार्ता की मेज पर लौटते हैं या सैन्य कार्रवाई को और तेज करते हैं। यदि मिसाइल हमले और जवाबी हमले जारी रहते हैं तो तेल मार्गों और व्यापारिक नेटवर्क पर खतरा बना रहेगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले से ही मंदी की आशंका से जूझ रही है ऐसे में यह युद्ध उसे और कमजोर कर सकता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह जरूरी है कि वह तत्काल तनाव कम करने और स्थायी शांति की दिशा में ठोस प्रयास करे क्योंकि इस संघर्ष का दायरा जितना बढ़ेगा उसका प्रभाव उतना ही गहरा और व्यापक होगा।

**स्वामी-** स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ल द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला बिजय लक्ष्मी नगर परगना सौराचाद तहसील व जनपद सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, होनेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में तमे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोटः** उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.NI NO. UPHIN/2012/43078 मो0 नं0-9511151254, E-Mail: news@swatantraprabhat.com

# संक्षिप्त खबरें

## पारिवारिक विवाद में दो भाइयों में मारपीट दोनों का सिर फूटा

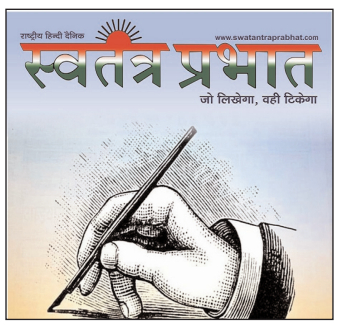




**लालगंज (रायबरेली)।** कोतवाली क्षेत्र के पांडेपुर मजरे विशुनखेड़ा गांव में शनिवार देर रात पारिवारिक विवाद को लेकर दो सगे भाइयों में मारपीट हो गई। दोनों ने एक दूसरे पर हमला किया। दोनों के सिर फट गए। घायल भाइयों को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद दोनों पक्ष कोतवाली पहुंचे और शिकायती पत्र दिया।सीताराम ने आरोप लगाया कि वह पानी लगाकर खेत से लौट रहे थे। तभी उनके भाई रामकुमार ने गाली गलौज करते हुए हमला कर दिया। दूसरे पक्ष के रामकुमार ने कहा कि परिवार में पुराना विवाद चल रहा है। शनिवार रात करीब 10 बजे सीताराम ने उनके साथ मारपीट की। कोतवाली प्रभारी प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि दोनों पक्ष थाने आए थे। आपसी बातचीत के बाद समझौता हो गया। दोनों ने सुलह कर ली।

## आवारा कुत्तों ने दो मासूमो को काटकर किया लहूलुहान

**इम्यूनोग्लोबिन दिया गया**

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में रविवार को आवारा कुत्तों ने दो मासूम बच्चों को बुरी तरह काट लिया। दोनों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। झबरा जगतपुर गांव में पवन कुमार के बेटे आयुष पर कुत्ते ने हमला कर दिया। बच्चे के चेहरे को जगह-जगह नोच लिया। वह लहूलुहान हो गया। परिजन घबराकर उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। इमरजेंसी में तैनात डॉ. गौरव पांडे ने बताया कि बच्चे को इम्यूनोग्लोबिन का इंजेक्शन दिया गया है। पूरे देवी पौशाला मोहल्ला में ओमप्रकाश के डेढ़ वर्षीय बेटे कार्तिकेय को भी गली के कुत्ते ने काट लिया। बच्चा घर के बाहर खेल रहा था। अचानक कुत्ते ने हमला कर दिया। बच्चे को तुरंत इलाज के लिए लाया गया।

## अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या पर लखनऊ में तीन दिनों का शोक, काले कपड़े पहन विरोध करेंगे शिया



**लखनऊ।** यूएस-इजरायल के हमले में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के विरोध में शिया समुदाय के लोग काफी आक्रोशित हैं। आल इंडिया शिया पर्सनल ला बोर्ड की ओर से तीन दिनों के शोक के ऐलान के बाद शिया धर्म गुरु मौलाना यासूब अब्बास ने भी इस संबंध में अपील की। मौलाना यासूब अब्बास ने शिया समुदाय के अपील की और कहा कि खामेनेई की हत्या के विरोध में हम सभी तीन दिनों तक काले कपड़े पहनें। अपने घरों पर काले परचें लहराएं। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई साहब के लिए फातिहा पढ़ें और नज्र करें। इसके साथ ही अमेरिका और इजरायल के कृत्य का पुरजोर विरोध करें। खामेनेई की हत्या के विरोध में रविवार को चौक में बड़ी संख्या में एकजुट हुए लोगों के समर्थन में व्यापारी भी खड़े नजर आए। दरगाह-हजरत अब्बास रोड सहित चौक की कई गलियां सूनीं रहीं। लोगों ने दुकानें नहीं खोलीं। ऐसे में खरीदार भी नहीं निकले। आस-पास के कुछ लोग सामान लेने के आए भी तो उन्हें वापस जाना पड़ा। घर का सामान लेने के निकले नक्खास के अमरेश ने बताया कि दुकानें बंद हैं, इसलिए लौट आए।

**इंसानियत का कत्ल**

इमाम-ए-जुमा आसिफी मस्जिद मौलाना कल्बे जवाद ने कहा कि खामेनेई की हत्या इंसानियत का कत्ल है। इसके विरोध में लोग संगठित हों। देशभर के मुस्लिम समुदाय के लोग एक साथ विरोध जताएं। इंसानियतपरस्त अन्य लोग भी इसमें शामिल हों।

**कायराना हरकत** शिया धर्मगुरु मौलाना यासूब अब्बास ने कहा कि अमेरिका और इजराइल ने कायराना हरकत की है। विश्व के सबसे बड़े शिया नेता की इस तरह हत्या करना, नाइंसाफी है। दुनिया के सभी मुसलमान इसके विरोध में आएं और अपनी आवाज बुलंद करें।

# मिश्रिख में पंचकोसीय परिक्रमा के दौरान पांच दिवसीय विशाल भंडारे का आयोजन

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**मिश्रिख (सीतापुर)** धार्मिक आस्था और सेवा भावना के पावन अवसर पर महर्षि दधीचि जनकल्याण सेवार्थ सनातन धर्म सेवा रजि. द्वारा मिश्रिख में आयोजित प्रथम पंचकोसीय परिक्रमा के अवसर पर लगातार पांच दिनों तक विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। यह भंडारा परिक्रमा मार्ग स्थित ज्ञान सागर क्षेत्र में श्रद्धालुओं के लिए संचालित हो रहा है। पंचकोसीय परिक्रमा में दूर-दूर से पहुंचे श्रद्धालुओं के लिए भोजन, जलपान एवं विश्राम की समुचित व्यवस्था की गई है। भंडारे में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। समिति के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं द्वारा पूरी निष्ठा और समर्पण भाव से सेवा कार्य किया जा रहा है।

समिति के अध्यक्ष अपूर्व पांडेय (वरिष्ठ पत्रकार, मिश्रिख) ने बताया कि परिक्रमा में आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की सेवा करना ही संस्था का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म की परंपरा में सेवा और सहयोग की भावना सर्वोपरि है, और इसी भाव के साथ यह आयोजन किया जा रहा है। समिति के संरक्षक महर्षि श्री स्वामी श्री विमलानंद सरस्वती जी के मार्गदर्शन में यह भंडारा सुचारु रूप से संचालित हो रहा है। इस पुनीत कार्य में आशीष मोहन मिश्रा, पत्रकार कौशलेंद्र त्रिपाठी, लालता यादव, नीरज यादव (पत्रकार), विशाल मिश्रा, विवेक सिंह चौहान, अश्वनी मिश्रा, श्यामा मौर्य, अरविंद पांडेय सहित अनेक श्रद्धालु सक्रिय सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

भंडारे में श्रद्धालुओं के बैठने, पेयजल एवं स्वच्छता की विशेष व्यवस्था की गई है। परिक्रमा मार्ग पर सेवा कार्यों को देखकर श्रद्धालुओं ने समिति की सराहना की और आयोजकों को साधुवाद दिया। धार्मिक आस्था, सेवा और सहयोग की भावना से परिपूर्ण यह आयोजन पंचकोसीय परिक्रमा में श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।वही सिधौली रोड क्रासिंग पर प्रदीप सिंह, राजेश्वरी स्कूल के पास सोनू सागर, चन्दूपुर में महर्षि दधीचि आश्रम की तरफ से शिवसागर यादव विशाल भंडारे किये जा रहे है।

## यूपी में चढ़ने लगा पारा, लखनऊ-बनारस में होली तक चलेंगी 'आंधी' जैसी तेज हवाएं!

लखनऊ। प्रदेश के कई जिलों में अभी से ही तापमान 30 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया है। रात सर्द हैं, लेकिन दिन में तेज धूप खिल रही है। मार्च की शुरुआत से होली के दिन तक दिन के समय 20-30 किमी/घंटा की गति से पृथ्वी की सतह पर तेज उत्तरी-पश्चिमी हवाएं चलने की संभावना हैं। हालांकि, इनसे दिन के अधिकतम तापमान पर कोई विशेष प्रभाव नहीं पड़ेगा।

**अभी सक्रिय नहीं है कोई मौसम तंत्र**

आगामी एक सप्ताह के दौरान प्रदेश में कोई सक्रिय मौसम तंत्र नहीं होने के कारण इस सप्ताह के अंत तक अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान में 2-3 सेल्सियस की क्रमिक बढ़ोत्तरी होने की संभावना है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के लखनऊ स्थित आंचलिक कार्यालय के वरिष्ठ विज्ञानी डॉक्टर अतुल कुमार सिंह ने बताया इसके चलते तापमान सामान्य से अधिक बना रहेगा। इस पछुआ हवा की तेज गति का प्रभाव ज्यादातर पश्चिमी हिस्से में ही रह सकता है।

**आज आसमान साफ रहने का अनुमान**

बात आज के मौसम की करें तो 1 मार्च को लखनऊ, कानपुर, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या, प्रयागराज, आगरा, हाथरस, मुरादाबाद, सहारनपुर, मेरठ, शामली, बागपत, बनारस और पूर्वी उत्तर प्रदेश में दो दिनों तक सोमवार और मंगलवार को हवा तेज रह सकती है। बुधवार से इसकी गति कम होना शुरू हो जाएगी और चौथे दिन मंद हो जाएगी।

# एस एस आई देवेंद्र सिंह भदौरिया ने प्रशस्ति पत्र देकर होमगार्ड को किया सम्मानित




**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**महराजगंज/रायबरेली:** विगत माह की भांति इस माह भी 1 मार्च 2026 को लोगों के प्रति अच्छा कार्य व्यवहार अच्छी ड्यूटी एवं साफ सुथरा वर्दी से प्रभावित होकर एस एस आई देवेंद्र सिंह भदौरिया व पी.सी. इंद्रमणि सिंह द्वारा होमगार्ड अशोक कुमार मिश्रा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। आपको बता दें कि, प्लाटून कमांडर इंद्रमणि सिंह चौहान ने यह जानकारी देते हुए बताया कि, महीने के 1 तारीख को एक महीने के बेहतर कार्य व्यवहार साफ सुथरा वर्दी तथा समय से ड्यूटी करने के मामले में कोतवाली प्रभारी जगदीश यादव द्वारा हर महीने एक व्यक्ति को सम्मानित किया जाता है, इसी क्रम में आज 1 मार्च को कोतवाली परिसर महराजगंज में एस एस आई देवेंद्र सिंह भदौरिया के द्वारा होमगार्ड अशोक कुमार मिश्रा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस मौके पर पी.सी. रमेश मौर्या, होमगार्ड रामदास यादव, रामयश मौर्या, रामकुमार यादव, रामसुफल यादव, दिनेश सिंह, सुरेश यादव, रामराज यादव, रामकुमार सिंह, रामप्रताप यादव, लाल मोहम्मद,शिवकरन यादव, कमलाकांत शास्त्री, शिवशंकर मिश्रा, रमेश मिश्रा अनुज सिंह, राजेश कुमार सिंह, मेवालाल, रमापति बाजपेई, रामप्रकाश सहित आदि उपस्थित रहे।

# ओवरटेक के चक्कर में बाइक व ई रिक्शा की आमने- सामने टक्कर

● **महिला समेत पांच घायल, मासूम बचा।**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**लालगंज (रायबरेली)।** नगर के बांदा बहराइच मार्ग पर सेमरपहा गांव के निकट एक बाइक और ई-रिक्शा की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में महिला समेत पांच लोग घायल हो गए। भोजपुर निवासी राजेंद्र प्रसाद ई-रिक्शा से दो सवारियां लेकर कस्बा आ रहे थे। उन्होंने बताया कि सामने से आ रही बाइक ने पिकअप वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश की। इसी बीच बाइक सीधे उनके ई-रिक्शा से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ई-रिक्शा सड़क किनारे खड्डु में पलट गया। हादसे में ई-रिक्शा चालक समेत उसमें सवार हैबतपुर खुर्द निवासी राधेश्याम और उनके भाई बाबूलाल भी चोटिल हो गए। बाइक सवार सरेनी क्षेत्र के झोथरा खेड़ा गजपति खेड़ा निवासी राजेंद्र उनकी बहन गुड़िया दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। गुड़िया लासा खेड़ा की रहने वाली हैं। उन्होंने बताया कि वह अपने भाई के साथ दो माह के मासूम बच्चे अयांश का इलाज कराकर घर लौट रही थी। गलत दिशा में आकर ई रिक्शा ने टक्कर मार दी। गनीमत रही कि हादसे में उनका बच्चा बाल-बाल बच गया। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने राजेंद्र प्रसाद, राधेश्याम और बाबूलाल की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

## लखनऊ में ई-रिक्शा में सवार युवती के साथ चालक ने की छेड़छाड़, जान बचाने के लिए चलती गाड़ी से कूदी

**लखनऊ।** ई-रिक्शा से घर लौट रही युवती के साथ चालक ने छेड़छाड़ की। युवती ने हिम्मत दिखाते हुए चलती गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई। शोर सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने उसे सुरक्षित घर पहुंचाया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने बताया कि वह लखनऊ से ड्यूटी कर शुक्रवार शाम घर लौट रही थी। करीब साढ़े आठ बजे वह सैदापुर चौराहे पर पहुंची, जहां यूपी 32 क्यूटी 8099 नंबर का ई-रिक्शा खड़ा था। उसने चालक से बदैया चलने को कहा, जिस पर वह तैयार हो गया। आरोप है कि गनेशपुर मोड़ के पास पहुंचते ही चालक ने उसका हाथ पकड़कर खींचा और बदसलूकी करने लगा। डरी सहमी युवती ने तत्काल चलती ई-रिक्शा से छलांग लगा दी, जिससे उसे चोटें आई। इसके बाद उसने मदद के लिए शोर मचाया। आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक चालक ई-रिक्शा लेकर फरार हो चुका था। ग्रामीणों ने युवती को घर तक पहुंचाया। प्रभारी निरीक्षक नवाब अहमद ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

# दधीचि कुंड पर भव्य सन्यासी पूजन सम्पन्न, देशभर से पहुंचे श्रद्धालु- गूंजे वैदिक मंत्र और जयघोष

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**मिश्रिख/सीतापुर** तीर्थ नगरी नैमिष क्षेत्र स्थित पावन स्थल दधीचि कुंड पर प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सन्यासी पूजन कार्यक्रम अत्यंत श्रद्धा, आस्था और भव्यता के साथ आयोजित किया गया। प्रातःकाल से ही कुंड परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। दूर-दराज के क्षेत्रों से आए भक्तों ने पवित्र सरोवर में स्नान कर पूजन-अर्चन किया और संत-महात्माओं का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दधीचि कुंड के प्रधान पुजारी राहुल शर्मा द्वारा विधिवत वैदिक मंत्रोच्चारण, पूजन एवं महाआरती के साथ किया गया। शंखध्वनि, घंटानाद और वैदिक ऋचाओं की गूंज से समूचा वातावरण भक्तिमय हो उठा। प्रधान पुजारी ने बताया कि सन्यासी पूजन की यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है, जिसका उद्देश्य सनातन संस्कृति और संत परंपरा के प्रति श्रद्धा व्यक्त करना है। पूजन कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सहित अन्य कई प्रांतों से आए यजमानों ने भाग लिया। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजन कर डंडी सन्यासियों का अभिनंदन किया। स्थानीय गणमान्य नागरिकों, व्यापारियों एवं समिति के पदाधिकारियों द्वारा संत-महात्माओं को अंगवस्त्र, प्रसाद और दक्षिणा भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संतों ने उपस्थित श्रद्धालुओं को धर्म, सेवा और सदाचार का संदेश देते हुए समाज में एकता और सद्भाव बनाए रखने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान भव्य भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। स्वयंसेवकों द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु जलपान, बैठने की व्यवस्था एवं साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा गया। सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद रही, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

सन्यासी पूजन के इस पावन अवसर पर 'हर-हर महादेव' और 'जय श्रीराम' के जयघोष से दधीचि कुंड परिसर गुंजायमान रहा। श्रद्धालुओं का उत्साह और संतों का सान्निध्य इस आयोजन को और अधिक दिव्य एवं अविस्मरणीय बना गया। आयोजकों ने बताया कि आने वाले वर्षों में भी इसी प्रकार भव्य रूप से सन्यासी पूजन का आयोजन किया जाता रहेगा, ताकि धार्मिक परंपराओं का संरक्षण और संवर्धन होता।

# अब होगा 'गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध' का शंखनाद

● **11 मार्च को लखनऊ में धर्मयुद्ध के शंखनाद की घोषणा।**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**प्रयागराज।** ज्योतिष पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरा नन्द जी नेआज वाराणसी में पत्रकार वार्ता करते हुए कहा कि स्वयं को असली हिन्दू के रूप में प्रतिष्ठापित करने या नकली हिन्दू के रूप में ख्यापित होने के लिये आदित्यनाथ योगी को दिए गए 40 दिनों के समय में से 30 दिन पूर्ण हो चुके हैं। पूर्व में 11वें दिन और 21वें दिन की गई प्रेस वार्ताओं के माध्यम से उन्हें निरंतर सचेत किया गया था, किंतु अत्यंत खेद का विषय है कि पिछले 10 दिनों में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं हुआ है।उन की विदेश यात्रा उनकी शिथिलता का बहाना नहीं हो सकती। हमारे द्वारा दिए गए –गोमाता को राज्यमाता घोषित करने और उत्तरप्रदेश से बीफनिर्यात पर पूर्णतया प्रतिबन्ध लगाने जैसे दो मुख्य कार्यों (ञ्रडुह्यद्म) और गोहत्या निरोध में सहयोगी 'पंचसूत्रीय माँगपत्र' पर उनकी सरकार, सत्ताधारी दल और उनके उत्तरदायी नेताओं की चुप्पी उनकी गो-भक्त विरोधी मानसिकता को अब तक तो पुष्ट करती ही नजर आ रही है। या यूं कहें कि अब सारी अपेक्षाएँ शेष 9-10 दिनों पर टिकी हैं।

**अहिंसक और वैचारिक धर्मयुद्धः।**

शंकराचार्य हम स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि यह 'गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध' पूर्णतः अहिंसक और वैचारिक होगा। हमारा अस्त्र 'शास्त्र और संवाद' है, 'हिंसा' नहीं। हम सत्ता को उसकी नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी का स्मरण कराने हेतु शांतिपूर्ण मार्ग से सात मार्च को क्रमशः लखनऊ की ओर 'गोप्रतिष्ठार्थ धर्मयुद्ध शंखनाद यात्रा' के माध्यम से प्रस्थान करेंगे। यदि इन 9-10 दिनों में निर्णय नहीं हुआ, तो इसकी समस्त जिम्मेदारी योगी आदित्यनाथ, प्रदेश सरकार, संबंधित राजनीतिक दल और उनके नेतृत्व की होगा। काशी के शंकराचार्य घाट पर 'गो-ब्राह्मण प्रतिपालक' वीर शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर गंगामाता की पूजा कर वैचारिक गोप्रतिष्ठार्थ धर्मयुद्ध शंखनाद का संकल्प लिया जाएगा।

2. प्रस्थान एवं आध्यात्मिक ऊर्जा (7 मार्च): प्रातः 8:30 बजे श्री विद्या मठ से प्रस्थान। काशी के प्रसिद्ध संकटमोचन मंदिर में संकटमोचन हनुमानाष्टक, हनुमान चालीसा और बजरंग बाण के पाठ के साथ विघ्नों के नाश की प्रार्थना कर यात्रा का श्रीगणेश होगा।

**3. यात्रा मार्ग एवं जनसभाएँ:**

7 मार्चः जौनपुर (सभा), सुल्तानपुर (सभा) से होते हुए रायबरेली में (सभा एवं) रात्रि विश्राम।

8 मार्चः रायबरेली से मोहनलालगंज (सभा), लालगंज (सभा), अचलगंज (सभा) होते हुए उन्नाव में (सभा एवं ) रात्रि विश्राम।

9 मार्च- उन्नाव, बांगरमऊ (सभा), बघौली (सभा) होते हुए नैमिषारण्य में (सभा एवं) रात्रि विश्राम।

10 मार्चः नैमिषारण्य से सिधौली (सभा), इटौंजा (सभा) होते हुए लखनऊ सीमा में प्रवेश एवं रात्रि विश्राम ।

निर्णायक शंखनादः लखनऊ कार्यक्रम ॥

तिथिः 11 मार्च 2026 (शीतला अष्टमी) समयः दोपहर 2:15 बजे (आगमन) से सायं 5:00 बजे तक

स्थानः कांशीराम स्मृति सांस्कृतिक स्थल, लखनऊ

मुख्य आकर्षणः मंगलाचरण, गोमय गणेश पूजन, गो- ध्वज प्रतिष्ठा और 'धर्मयुद्ध शंखनाद' सहित विद्वानों-सन्तों-गोभक्तों के वाग्बाण के अनुभव का अवसर होगा। सत्ता की उदासीनता गो-भक्तों के धैर्य की परीक्षा ले रही है। 11 मार्च का लखनऊ आगमन शासन की अंतिम चेतावनी सिद्ध होगा।

# जन आरोग्य मेला में 17 मरीजों की हुई जांच

● **दीं गईं मुफ्त दवाइयां एवं परामर्श।**

**ज्यादातर सांस रोग, जुकाम, बुखार व स्किन,पेट दर्द एवं क्षय रोग के आये मरीज**

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**बिसवां (सीतापुर)।** रविवार 01 मार्च को जहांगीराबाद स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर दोपहर दो बजे तक कुल सत्रह मरीज आये जिनमें ज्यादातर मरीज सांस रोग से पीड़ित थे।खांसी जुकाम बुखार,लीवर, पेट दर्द तथा स्किन व क्षय रोग से संबंधित थे। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ अंशुमान शुक्ला ने बताया कि आज पीएचसी पर कुल 17 मरीज आए हैं जिनमें पांच सांस रोग से पीड़ित थे तथा चार मरीज पेट दर्द व तीन मरीज स्किन रोग व दो अन्य क्षय रोग से पीड़ित थे।

दो मरीज सुगर व एक मरीज दांत दर्द का आया जिन्हें लक्षण के आधार पर अस्पताल से मुफ्त दवाइयां दी गई। डा0 शुक्ल ने बताया कि यहां तैनात फार्मासिस्ट सप्ताह में मात्र तीन दिन मंगलवार, वृहस्पतिवार व शनिवार को ही जहांगीराबाद पीएचसी पर



रहते हैं बाकी के दिनों में वह देवकलिया पीएचसी पर ड्यूटी करते हैं। इस मौके एल0 टी0 रावेन्द्र कुमार यादव, स्टाफ नर्स दीप्ति शर्मा व सहायक सरला देवी व चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी मोतीलाल मौजूद थे।

## इंडियन पैरामेडिकल एसोसिएशन आजमगढ़ द्वारा विधायक पूजा सरोज के माध्यम से मुख्यमंत्री को दिया गया ज्ञापन

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**आजमगढ़।** इंडियन पैरामेडिकल एसोसिएशन द्वारा पराचिकित्सकों एवं ग्रामीण चिकित्सकों की समस्याओं के समाधान हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। एसोसिएशन का मानना है कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर आकस्मिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने में पराचिकित्सकों एवं ग्रामीण चिकित्सकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है, जिसे नकारा नहीं जा सकता। वैश्विक महामारी COVID-19 के कठिन दौर में जब कई जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं उच्च स्तरीय चिकित्सा संस्थान संसाधनों की कमी से जूझ रहे थे, उस समय पराचिकित्सकों एवं ग्रामीण चिकित्सकों ने अपनी जान जोखिम में डालकर आमजन को प्राथमिक उपचार एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कीं। उनकी सेवाओं से बड़ी संख्या में लोग लाभान्वित हुए और महामारी से निपटने में महत्वपूर्ण सहयोग मिला। एसोसिएशन माननीय मुख्यमंत्री, योगी आदित्यनाथ, से आग्रह करती है कि उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं एवं स्वास्थ्य विभाग के दिशा-निर्देशों को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पराचिकित्सकों को सशक्त भूमिका प्रदान की जाए।

साथ ही पराचिकित्सकों एवं ग्रामीण चिकित्सकों के हो रहे उत्पीड़न को रोकते हुए उन्हें सम्मानजनक कार्य वातावरण उपलब्ध कराया जाए। एसोसिएशन की प्रमुख मांगें निम्नलिखित हैं– पराचिकित्सकों एवं अनुभवशील ग्रामीण चिकित्सकों को प्राथमिक उपचार करने का विधिक अधिकार प्रदान किया जाए। नर्सिंग एवं पैरामेडिकल के प्रत्येक विभाग में शीघ्र भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की जाए। अनुभवशील ग्रामीण चिकित्सकों को शासन द्वारा अधिकृत जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं मान्यता प्राप्त चिकित्सालयों में 6 से 32 माह का प्रशिक्षण प्रदान कर प्राथमिक उपचार की स्वीकृति दी जाए। स्वास्थ्य संबंधी रोगों से बचाव हेतु जन-जागरूकता अभियानों में पराचिकित्सकों को प्राथमिकता दी जाए। पराचिकित्सकों एवं ग्रामीण चिकित्सकों को सम्मानपूर्वक 'चिकित्सा मित्र' का दर्जा दिया जाए तथा उन पर हो रहे प्रशासनिक उत्पीड़न को तत्काल रोका जाए। इंडियन पैरामेडिकल एसोसिएशन आशा करती है कि प्रदेश सरकार पराचिकित्सकों एवं ग्रामीण चिकित्सकों के योगदान को ध्यान में रखते हुए उनकी समस्याओं के समाधान हेतु सकारात्मक एवं ठोस कदम उठाएगी, जिससे प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ हो सके।इस अवसर पर अवधेश विश्वकर्मा, सन्तोष विश्वकर्मा, रामकेश यादव, मुकेश यादव, विवेक प्रकाश, भानू प्रताप एच.जी.विश्वकर्मा आदि के साथ बड़ी संख्या में मित्रगण उपस्थित रहे।

# अधिवक्ता सुभाष चंद्र मिश्रा हत्याकांड पर उबाल, बार एसोसिएशन हर्रैया ने सौंपा ज्ञापन; प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग

**स्वतंत्र प्रभात संवाददाता**

**बस्ती।** बस्ती केतहसील मुख्यालय हर्रैया स्थित बार एसोसिएशन हर्रैया ने अधिवक्ता सुभाष चंद्र मिश्रा की निर्मम हत्या के विरोध में जोरदार आवाज उठाते हुए प्रधानमंत्री एवं राष्ट्रपति को संबोधित उप जिला मजिस्ट्रेट हर्रैया को ज्ञापन सौंपा गया, इस ज्ञापन में दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई, पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता और प्रदेश में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की गई है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष उमाकांत तिवारी 'एडवोकेट' के हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन में कहा गया है कि जनपद गोंडा निवासी अधिवक्ता सुभाष चंद्र मिश्रा की नृशंस हत्या ने पूरे अधिवक्ता समाज को झकझोर दिया है। यह घटना केवल एक व्यक्ति की हत्या नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था पर सीधा आघात है। यदि अधिवक्ता ही असुरक्षित रहेंगे तो आमजन का न्याय प्रणाली से विश्वास उठ जाएगा।

ज्ञापन में प्रमुख मांग की गई है कि हत्याकांड की उच्च स्तरीय एवं समयबद्ध जांच कराकर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए। साथ ही पीड़ित परिवार को कम से कम 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान की जाए। बार एसोसिएशन ने उत्तर प्रदेश में तत्काल प्रभाव से एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग दोहराते हुए कहा कि लगातार हो रही हमलों की घटनाओं से अधिवक्ताओं में भय और असुरक्षा का वातावरण बन गया है। अधिवक्ताओं ने न्यायालय परिसरों में पर्याप्त सुरक्षा बल की तैनाती, सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था और संवेदनशील मामलों में विशेष सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने की भी मांग की। ज्ञापन में स्पष्ट चेतावनी दी गई कि यदि शीघ्र एवं ठोस कार्रवाई नहीं की गई तो अधिवक्ता समाज लोकतांत्रिक और संवैधानिक दायरे में रहकर आंदोलन करने को बाध्य होगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

इस अवसर पर अध्यक्ष उमाकांत तिवारी 'एडवोकेट' ने कहा कि अधिवक्ता समाज न्याय व्यवस्था की रीढ़ है। 'हम कानून और संविधान की मर्यादा में रहकर न्याय की लड़ाई लड़ते हैं। यदि अधिवक्ताओं पर हमले होंगे और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जाएगी, तो यह लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरा है। सरकार को अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाने होंगे,' उन्होंने कहा।

कार्यक्रम के दौरान मंत्री अमरनाथ पांडे एडवोकेट, रघुवंश लाल एडवोकेट, यशवंत सिंह एडवोकेट, पवन वर्मा एडवोकेट, अभिमन्यु सिंह एडवोकेट, रामजी वर्मा एडवोकेट, ओमप्रकाश पांडे एडवोकेट, इंद्रजीत सिंह एडवोकेट, सौरभ सिंह एडवोकेट, अरुण पांडे एडवोकेट, हृदयराम एडवोकेट, अजेय कुमार गौतम एडवोकेट, मनोज कुमार आजाद एडवोकेट, तौफीक अहमद एडवोकेट सहित सैकड़ों की संख्या में अधिवक्तागण मौजूद रहे। सभी ने एक





स्वर में हत्याकांड की निंदा करते हुए दोषियों को शीघ्र गिरफ्तार कर कठोर दंड देने की मांग की।

अधिवक्ताओं ने कहा कि यदि अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए सशक्त कानून नहीं बनाया गया तो ऐसी घटनाएं दोहराई जाती रहेंगी। इसलिए प्रदेश सरकार को शीघ्र निर्णय लेते हुए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करना चाहिए। साथ ही जिला प्रशासन से अपेक्षा की गई कि वह इस गंभीर मामले में प्रभावी पैरवी कर न्याय दिलाने में सहयोग करेबार एसोसिएशन हर्रैया ने ज्ञापन के माध्यम से स्पष्ट किया है कि अधिवक्ता समाज अपने साथी के सम्मान और सुरक्षा के मुद्दे पर पूरी तरह एकजुट है। न्याय व्यवस्था की गरिमा बनाए रखने और कानून के राज को सशक्त करने के लिए शासन से त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की अपेक्षा की गई है।

## संक्षिप्त खबरें

### 26 वर्षों की देशसेवा के बाद सेवानिवृत्ति, जिले के बदरपुर में सैयद कमाल खान का भव्य सम्मान

**श्रीभूमि:** श्रीभूमि जिले के बदरपुर चैतन्य नगर ब्लॉक के अंतर्गत बछला गांव के गौरव, सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी सैयद कमाल खान ने देश की सशस्त्र सेनाओं में 26 वर्षों तक निष्ठा और समर्पण के साथ सेवा देने के बाद सेवानिवृत्ति ग्रहण की। उनके इस गौरवपूर्ण सैन्य जीवन को यादगार बनाने के लिए रविवार को बदरपुर रेलवे स्टेशन पर भव्य स्वागत और सम्मान समारोह आयोजित किया गया। सेवानिवृत्त एन.सी. अधिकारी सैयद कमाल खान के स्वागत के लिए परिवारजन और शुभचिंतक विशाल वाहन काफिले के साथ स्टेशन पहुंचे। उनकी पत्नी, बड़े भाई जमाल खान सहित परिवार के अन्य सदस्य इस अवसर पर उपस्थित रहे। भावुक माहौल में देशसेवा के इस गौरवपूर्ण क्षण ने सभी को गर्व से भर दिया। सम्मान समारोह में बदरपुर जी.आर.पी. थाना के ओसी, समाजसेवी मुन्नी छेत्री, असम गण परिषद के नेता गियास अहमद, छदियोल विजन एनजीओ के सीईओ तथा पत्रकार रियाजुर रहमान परवीन छदियोल और पत्रकार अबुल मलिक सहित क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। वक्ताओं ने सैयद कमाल खान की 26 वर्षों की अनुकरणीय सेवा को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए उनके त्याग, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। उन्होंने कहा कि सैयद कमाल खान ने राष्ट्रप्रेम और जिम्मेदारी का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है, जो युवाओं के लिए मार्गदर्शक है। अंत में उपस्थित सभी लोगों ने पुष्पगुच्छ और तालियों के साथ उनका अभिनंदन किया। बछला गांव के इस गौरवपूर्ण पुत्र का सेवानिवृत्त जीवन सुखमय और शांतिमय हो–इसी शुभकामना के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

### होली से पहले अलर्ट मोड पर खाद्य सुरक्षा विभाग; घर पर ऐसे पहचानें दूध, पनीर और मावा में मिलावट

**ग्रेटर नोएडा।** होली के पर्व आते ही बाजार में मिलावटी खाद्य पदार्थों की बक्री बढ़ गई है। इसकी रोकथाम के लिए खाद्य विभाग अलर्ट मोड पर दिखाई दे रहा है। जिले की विभिन्न दुकानों से सैंपल लेकर जांच के लिए भेज रहा है तो वहीं कुछ स्थानों पर संदिग्ध खाद्य पदार्थों को तुरंत नष्ट कराने का काम कर रहा है। वहीं आमजन भी घर पर अपने खाद्य पदार्थ में मिलावट होने की जांच कर सकता है। इसके लिए लोगों को इस तरह से दूध, पनीर और मावा समेत अन्य खाद्य पदार्थों की जांच करनी होगी।

**ऐसे करें दूध में मिलावट का पता**

दूध में मिलावट की जांच करने के लिए सबसे आसान तरीका यह है कि दूध की एक बूंद को एक तिरछी चिकनी सतह (जैसे स्टील की थाली) पर डालें, यदि दूध धीरे बहते हुए सफेद निशान छोड़े, तो वह शुद्ध है, लेकिन अगर बिना निशान छोड़े तेजी से बहे तो पानी की मिलावट है। इसके अलावा, रगड़ने पर साबुन जैसी गंध डिटर्जेंट की उपस्थिति दर्शाती है। पनीर को हल्के से दबाएं अगर वह स्पंजी होकर वापस अपनी शेप में आ जाए तो समझिए ताजा है, बहुत ज्यादा सख्त या रबड़ जैसा पनीर मिलावटी हो सकता है। पनीर को पानी में डालें असली पनीर जल्दी नहीं घुलता और अपनी बनावट बनाए रखता है। मावा लेकर उसे थोड़े से पानी में उबालें और फिर उसे ठंडा होने दें। ठंडे किए गए मावे के घोल में दो-तीन बूंदें टिंचर आयोडीन की डालें, अगर मावे का रंग बदलकर नीला या काला हो जाए, तो समझ लें कि इसमें स्टार्च या उबले हुए आलू की मिलावट है। शुद्ध मावे का रंग नहीं बदलता। मिलावटी तेल असली रिफाइंड या ताजे तेल की तुलना में ज्यादा चिपचिपा और गाढ़ा दिखता है, क्योंकि एडिटिव्स इसे गाढ़ा कर देते हैं। इससे तेल का टेक्सचर गाढ़ा हो जाता है जो अक्सर ताजे तले हुए खाने में नहीं दिखता है।

# करोल बाग में भीषण जाम से जूझ रहे लोग प्रशासन निगम खामोश बैठा है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
बादल हुसैन

**नई दिल्ली:** करोल बाग में जाम की समस्या बढ़ती जा रही है अतिक्रमण पग पग पर। खरीदारों को बाजार पहुंचने में दो घंटे तक लग रहे हैं जिससे व्यापारियों और ग्राहकों को परेशानी हो रही है।जाम के कारण खरीदारों की संख्या कम हो रही है, जिससे व्यापारियों को नुकसान हो रहा है। स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने सरकार से जाम की समस्या का सामाधान करने की मांग की है। दिल्ली के सबसे व्यस्त और प्रतिष्ठित बाजारों में से एक करोल बाग गफ्फार मार्केट इन दिनों अराजकता की चपेट में है। अवैध पार्किंग, बेतहाशा अतिक्रमण और भीषण ट्रैफिक जाम ने निवासियों को बेहाल कर दिया है। हालात इतने बत्तर हो गए हैं कि जिस बाजार तक पहुंचने में पहले मिनटों का समय लगता था अब वहां लोगों को घंटों ट्रैफिक जाम झेलना पड़ रहा है। इसके बावजूद ट्रैफिक पुलिस और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एनडीएमसी दोनों खामोश है। करोल बाग गफ्फार मार्केट, आभूषण और इलेक्ट्रॉनिक सामानों के प्रमुख केंद्र के रूप में जाना जाता है। यहां दूर-दूर से लोग खरीदारी करने आते हैं। नतीजतन,करोल बाग चौराहे से आर्य समाज रोड तक का दृश्य भयावह है। ऑटो पार्ट्स विक्रेता सड़क के दोनों ओर अपनी वर्कशाप चला रहे हैं। मुख्य सड़क की दोनों लेन पर वाहनों की मरम्मत और बदलने का काम खुलेआम चल रहा है। जिससे सड़क की चौड़ाई कम होकर एक संकरी और भीड़भाड़ वाली गली बन गई है। दोपहिया वाहन चालकों और पैदल यात्रियों के लिए इस रास्ते से गुजरना मुश्किल हो रहा है। अवैध पार्किंग अतिक्रमण की इस समस्या को और बढ़ा रही है। खरीदारों के लिए पर्याप्त पार्किंग न होने के कारण पुरा इलाका ट्रैफिक जाम से जूझ रहा है। स्थिति इतनी विकट है कि बाजार पहुंचने में ही डेढ़ से दो घंटे लग जाते हैं। स्थानीय निवासियों और व्यापारियों का आरोप है कि यह संबंधित विभागों की मिलीभगत और लापरवाही का नतीजा है। त्योहारों के समय में बाजारों में पर्याप्त यातायात और सुरक्षा व्यवस्था होनी चाहिए, लेकिन स्थिति बत्तर हो गई है।

इस मामले में सेंट्रल डीसीपी से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उनके मोबाइल बंद पाया गया। उपायुक्त करोल बाग जो न, एमसीडी।ने कहा कि करोलबाग बाजारों में लोगों को ट्रैफिक जाम और अतिक्रमण से राहत दिलाने के लिए अवैध रूप से वाहन पार्क करने और सड़क पर कब्जा करने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

## अमेरिकी टैरिफ के बाद अब ईरान युद्ध से भारतीय निर्यातकों पर दोहरी मार, शिपिंग लागत 50 प्रतिशत बढ़ी

**ग्रेटर नोएडा।** अमेरिकी टैरिफ से पहले ही भारतीय निर्यातकों को सात हजार करोड़ रुपये का भारी नुकसान झेलना पड़ा था, और अब ईरान का अमेरिका-इजरायल के बीच बढ़ते युद्ध ने नई आर्थिक संकट की घंटी बजा दी है। ईरान द्वारा हार्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की धमकी से वैश्विक व्यापार मार्ग अवरुद्ध हो गए हैं, जिससे भारतीय निर्यातकों को माल की आवाजाही में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लंबे वैकल्पिक रास्तों से शिपमेंट भेजने की मजबूरी से लागत दर में भारी वृद्धि होने का अनुमान है।

# अदालत से बरी के बाद जंतर-मंतर पर पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल का विशाल प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
बादल हुसैन

**नई दिल्ली।** शराब घोटाले में अदालत से दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल दोबारा बरी होने के बाद एक्टिव नजर आ रहे हैं। रविवार को केजरीवाल जंतर-मंतर पर एक विशाल जनसभा का आयोजन किया। जिसे उनकी राजनीतिक सक्रियता और शांति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है। इस प्रदर्शन से पार्टी नेताओं और समर्थकों में नया उत्साह देखने को मिल रहा है।यह जनसभा उन हजारों कर्मचारियों के समर्थन में आयोजित की जा रही है। जिन्हें दिल्ली सरकार की विभिन्न सेवाओं से हटाया गया है।बस मार्शल, डीडीसी बस कंडक्टर, मोहल्ला क्लीनिक कर्मचारी, डीआई एमटीएस कर्मचारी, और सरकारी अस्पतालों में काम कर रहे डाटा एंट्री ऑपरेटरों, के मुद्दे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जंतर- मंतर से विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए ऐ बाते कहा। इस अवसर पर पार्टी आलाकमान सहित सभी वरिष्ठ नेता और जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ताओं व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

# शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने किया 'गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध' का ऐलान, 11 मार्च को लखनऊ में शंखनाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

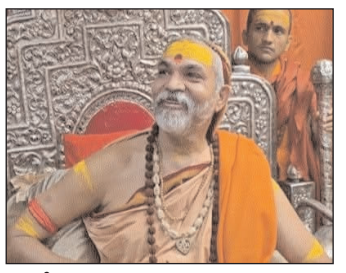

**वाराणसी।** स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने काशी स्थित श्री विद्या मठ में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान 'गो प्रतिष्ठा धर्मयुद्ध' का औपचारिक ऐलान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को दी गई 40 दिनों की समयसीमा में से 30 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अब तक प्रमुख मांगों पर कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आया है। शंकराचार्य ने सरकार से गोमाता को 'राज्यमाता' घोषित करने और उत्तर प्रदेश से बीफ निर्यात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की मांग दोहराई। साथ ही गोहत्या निरोध को प्रभावी बनाने के लिए 'पंचसूत्रीय मांगपत्र' पर कार्रवाई की अपेक्षा जताई। उन्होंने कहा कि यदि शेष 9-10 दिनों में सरकार की ओर से निर्णय नहीं लिया गया तो 11 मार्च को लखनऊ में निर्णायक कार्यक्रम होगा।

**अहिंसक और वैचारिक आंदोलन**

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन पूर्णतः अहिंसक और वैचारिक होगा। उन्होंने कहा कि 'हमारा मार्ग शास्त्र और संवाद का है, हिंसा का नहीं। 7 मार्च से 'गोप्रतिष्ठार्थ धर्मयुद्ध शंखनाद यात्रा' काशी से लखनऊ के लिए प्रस्थान करेगी।

**यात्रा का कार्यक्रम** 6 मार्च को काशी के शंकराचार्य घाट पर संकल्प दिवस मनाया जाएगा। 7 मार्च की सुबह यात्रा संकटमोचन मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद शुरू होगी। यात्रा जौनपुर, सुल्तानपुर, रायबरेली, मोहनलालगंज, उन्नाव, बांगरमऊ, नैमिषारण्य, सिधौली और इटौंजा होते हुए 10 मार्च को लखनऊ सीमा में प्रवेश करेगी। विभिन्न स्थानों पर जनसभाएं प्रस्तावित हैं।

**11 मार्च को लखनऊ में मुख्य कार्यक्रम** 11 मार्च 2026 (शीतला अष्टमी) को दोपहर 2:15 बजे से सायं 5 बजे तक कांशीराम स्मृति सांस्कृतिक स्थल, लखनऊ में 'धर्मयुद्ध शंखनाद' कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें मंगलाचरण, गो-ध्वज प्रतिष्ठा और संतों-विद्वानों के संबोधन शामिल रहेंगे। शंकराचार्य ने कहा कि यह कार्यक्रम शासन के लिए अंतिम चेतावनी के रूप में होगा। फिलहाल प्रशासन की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

## श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा-विद्यानगर-अनिपुर सड़क की दयनीय स्थिति से आमजन त्रस्त

### ● विभागीय अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौन।

### प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की मांग।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**श्रीभूमि:** श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा से विद्यानगर होते हुए अनिपुर तक जाने वाली महत्वपूर्ण सड़क की वर्तमान स्थिति अत्यंत चिंताजनक और दुखद बनी हुई है। लंबे समय से मरम्मत और समुचित रखरखाव के अभाव में यह सड़क लगभग असंचलनीय हो चुकी है। जगह-जगह गड्ढे, टूटी परतें और अत्यधिक धूल-रेत के कारण आमजन को प्रतिदिन गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मुख्य मार्ग की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि हल्की हवा चलने पर भी धूल का गुबार उठता है। इससे स्थानीय निवासियों में श्वसन संबंधी समस्याएँ, आंखों में जलन और अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानियाँ बढ़ रही हैं। पैदल यात्रियों, वाहन चालकों, स्कूल-कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राओं, बुजुर्गों एवं मरीजों के लिए यह मार्ग अत्यंत जोखिमपूर्ण बन गया है। दैनिक आवागमन एक चुनौती में बदल चुका है।

क्षेत्रवासियों का आरोप है कि संबंधित विभाग, विशेषकर लोक निर्माण विभाग (PWD) के अधिकारी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि इस गंभीर समस्या पर निष्क्रिय बने हुए हैं। समय पर मरम्मत और धूल नियंत्रण के उपाय न किए जाने से स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। प्रभावित नागरिकों ने भारत के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्य के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा से हस्तक्षेप की अपील की है। उन्होंने मांग की है कि सड़क की तत्काल मरम्मत, नियमित रखरखाव तथा धूल नियंत्रण के प्रभावी उपाय सुनिश्चित किए जाएं, ताकि आम जनता को इस लंबे समय से चली आ रही समस्या से स्थायी राहत मिल सके।

## बैरिया में प्रेम प्रसंग बना खूनी बवालः युवती के घर पहुंचे युवक को परिजनों ने बेरहमी से पीटा, हालत गंभीर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**बैरिया (बलिया)।** बैरिया थाना क्षेत्र के एक गांव में रविवार भोर प्रेम प्रसंग को लेकर बड़ा बवाल हो गया। दुर्जनपुर निवासी युवक अमित कुमार साहनी अपनी प्रेमिका से मिलने उसके घर पहुंचा था, जहां परिजनों और पड़ोसियों ने उसे पकड़कर लाठी-डंडों और रॉड से बेरहमी से पीट दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मिली जानकारी के अनुसार अमित कुमार साहनी का गांव की एक युवती से लंबे समय से मेल-मिलाप था। रविवार की भोर वह युवती से मिलने उसके घर पहुंच गया। बताया जा रहा है कि युवक के प्रेमिका के कमरे में होने की भनक लगते ही परिवार के एक सदस्य ने बाहर से दरवाजा बंद कर दिया। इसके बाद परिजनों ने युवक को बाहर निकालकर उसकी जमकर पिटाई कर दी।

मारपीट में अमित गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर बैरिया पुलिस मौके पर पहुंची और उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनबरसा पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने हालत नाजुक देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घायल की मां मंझरिया देवी पत्नी अजय साहनी निवासी दुर्जनपुर, थाना रेवती की तहरीर पर तीन नामजद आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रभारी निरीक्षक राजेंद्र प्रसाद सिंह ने बताया कि सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले की गहन जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## नोएडा में मिक्सचर प्लांट के ड्राइवर की बेरहमी से हत्या, घर में मिला खून से लथपथ शव; पुलिस जांच में जुटी

**नोएडा।** एक्सप्रेसवे थाना क्षेत्र के सेक्टर 135 में रविवार सुबह मिक्सचर प्लांट के चालक की हत्या कर दी गई। चालक का शव लहूलुहान अवस्था में घर में मिला। पुलिस ने फोरेंसिक टीम बुलाकर साक्ष्य एकत्रित किए। शव को पोस्टमार्टम को भेजवा मामले में जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक थाना एक्सप्रेसवे क्षेत्र के अंतर्गत डायल-112 के माध्यम से डूब क्षेत्र सेक्टर-135 में एक व्यक्ति के मृत अवस्था में मिलने की सूचना प्राप्त होने पर पुलिस अधिकारीगण व स्थानीय पुलिस मौके पर मौजूद है। मृतक की पहचान राकेश पुत्र गिंदर पाल निवासी जरीफ नगर, बदायूं उम्र लगभग 45 वर्ष के रुप में हुयी है, जो ड्राइवर का काम करता था। फॉरेंसिक टीम से घटनास्थल का परीक्षण कराया जा रहा है। मृतक के परिजन मौके पर उपस्थित है, शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा जा रहा है। घटना के अनावरण हेतु पुलिस टीमों का गठन किया गया है। सभी बिंदुओं पर गहनता से जांच की जा रही है।

## ग्रामीण क्षेत्रों में पोषण और समग्र स्वास्थ्य जागरूकता हेतु असम विश्वविद्यालय की डिजिटल पहल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**श्रीभूमि।** गत 28 फरवरी को Assam University ने ग्रामीण क्षेत्रों में पोषण और स्वास्थ्य जागरूकता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 'ईपिक्स इन आई' परियोजना के अंतर्गत 'रूरल एजुकेशनल एडवांसमेंट फॉर कम्युनिटी हेल्थ (रीच)' नामक एक डिजिटल पहल की शुरुआत की। शनिवार को बरजलेग्ना स्थित Vivekananda Kendra Vidyalaya में आयोजित कार्यक्रम में इस वेबऐप का औपचारिक शुभारंभ किया गया। तकनीक-आधारित और समुदाय-केंद्रित इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण इलाकों में निवारक स्वास्थ्य सेवाओं तथा पोषण संबंधी ज्ञान की कमी को दूर करना है। कार्यक्रम में वेबऐप का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राजीव मोहन पंथ ने किया। इस अवसर पर रोजकांदी चाय बागान के महाप्रबंधक ईश्वरभाई उबाडिया, प्रौद्योगिकी विद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर सुदीप्त राय तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य पार्थसारथी देव सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। लगभग 120 अभिभावकों, शिक्षकों और स्थानीय निवासियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

अपने संबोधन में कुलपति प्रोफेसर पंथ ने कहा कि विश्वविद्यालयों को पारंपरिक विस्तार गतिविधियों से आगे बढ़कर सामाजिक रूप से उत्तरदायी, टिकाऊ और पुनरावृत्त योग्य तकनीक-आधारित पहलें करनी चाहिए। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वर्तमान समय में लगभग 95 प्रतिशत बीमारियाँ जीवनशैली से संबंधित कारणों से उत्पन्न होती हैं, इसलिए निवारक स्वास्थ्य शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। ईश्वरभाई उबाडिया ने इस परियोजना को चाय बागान और ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दूरदर्शी पहल बताया। 'रीच-ईपिक्स' परियोजना अंतर्विभागीय शैक्षणिक सहयोग और विद्यार्थियों की सामाजिक उत्तरदायित्वपूर्ण नवाचार का उत्कृष्ट उदाहरण है। परियोजना के सलाहकार प्रोफेसर मौसुम हांडिक, तकनीकी प्रमुख डॉ. अर्णब पाल और समन्वयक डॉ. लालजो एस. थांगजम के नेतृत्व में इसका क्रियान्वयन किया गया। छात्र कमलेश देवनाथ, सृजिनजय दास और अर्वातिका लांगथासा ने वेबऐप के डिजाइन, विकास और सामुदायिक प्रशिक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। 'सिटिजन फाउंडेशन' नामक स्वैच्छिक संस्था के समन्वयक नवकिशोर आकुराव ने स्थानीय भागीदार के रूप में सहयोग प्रदान किया। आयोजकों के अनुसार 'रीच' वेबऐप की प्रमुख विशेषता यह है कि इसकी सिफारिशें स्थानीय सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक संदर्भ पर आधारित हैं। सामान्य पोषण ऐप की तरह पूर्व-निर्धारित आहार सूची देने के बजाय यह बरजलेग्ना बाजार और बराक घाटी में उपलब्ध खाद्य सामग्रियों के आधार पर स्वास्थ्य और पोषण संबंधी सलाह प्रदान करता है। इससे कम लागत, सांस्कृतिक अनुकूलता और व्यवहारिक उपयोग सुनिश्चित होगा। डिजिटल नवाचार के माध्यम से ग्रामीण समुदाय को स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में सशक्त बनाने की यह पहल 'डिजिटल इंडिया' और 'विकसित भारत 2047' के व्यापक राष्ट्रीय लक्ष्यों के अनुरूप भी मानी जा रही है।

## मोह, मिथ्यात्व और अज्ञान ही जीव के भटकाव का मूल कारण- मुनि श्री प्रमाण सागर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**बुढ़ार।** शहडोल से नव-निर्मित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के पाँचवें दिवस भावनायोग प्रणेता राष्ट्रीय संत मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज ने भगवान के कैवल्यज्ञान उपरांत समवसरण की गणधर पीठिका से अत्यंत मार्मिक एवं आध्यात्मिक उद्बोधन प्रदान किया।मुनि श्री ने कहा– 'इस अनादि संसार में जीव चारों गतियों और 84 लाख योनियों में निरंतर भटक रहा है,उसके इस भटकाव का मूल कारण उसके अंतर में पलने वाला मोह, मिथ्यात्व और अज्ञान है। 'उन्होंने नरक गति का वर्णन करते हुए कहा कि वहाँ जीव को असहनीय यातनाएँ सहनी पड़ती हैं– कभी उसे कड़ाही में डाला जाता है, तो कभी तलवार की तीक्ष्ण धार का सामना करना पड़ता है; मानो हजारों बिच्छुओं ने एक साथ डंक मार दिए हों। नरक से निकलकर जीव कभी एक इंद्रिय, कभी द्वि-इंद्रिय, फिर तिर्यंच गति में भ्रमण करता हुआ मनुष्य जन्म प्राप्त करता है। किंतु मनुष्य जीवन में भी वह कभी भिखारी बनकर कष्ट भोगता है।मुनि श्री ने स्पष्ट कहा कि मोह, मिथ्यात्व और अज्ञान आत्मा के प्रबल शत्रु हैं। इन्हीं के कारण जीव अपने आत्मस्वरूप से दूर होकर पंचेंद्रिय विषयों तथा क्रोध, मान, माया, लोभ जैसी कषायों में फँसकर पाप और दुर्गतियों का भागी बनता है।

सम्यक दर्शन ही धर्म का मूल समवसरण में विराजमान निर्यापक मुनि श्री प्रसाद सागर,मुनि श्री शीतलसागर, मुनि श्री संधानसागर तथा क्षुल्लक श्री समादर सागर महाराज,बाल ब्र. अशोक भैया,बाल ब्र.अभय भैया जी ने भी धार्मिक प्रश्न प्रस्तुत किए, जिनका समाधान मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज ने ओंकार ध्वनि के साथ किया। उन्होंने कहा– 'जब तक जीव अपने आत्मस्वरूप को नहीं समझेगा, तब तक उसे सम्यक दर्शन की प्राप्ति नहीं हो सकती। 'भव-बन्धन से मुक्ति का एकमात्र उपाय सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चरित्र रूपी रत्नत्रय की पूर्णता है। 'दर्शन मूलो धम्मो' का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि सम्यक दर्शन धर्म का मूल आधार है। बिना सम्यक्त्व के न ज्ञान शुद्ध होता है और न चरित्र।

**'भगवान महावीर द्वार' का ऐतिहासिक शिलान्यास**

पंचकल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर एक और ऐतिहासिक क्षण जुड़ा जब प्रातःकाल पूज्य मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज ससंघ की मंगलमयी उपस्थिति में 'भगवान महावीर द्वार' का विधिवत शिलान्यास संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक जय सिंह मरावी, नगर परिषद अध्यक्षा शालिनी सरावगी एवं परिषद सदस्यों ने श्रद्धा-भक्ति के साथ शिलान्यास किया। धर्ममय वातावरण में जयघोष गूँज उठा। मुनि श्री ने कहा- 'जब कोई नगर में भगवान के नाम के साथ प्रवेश करता है तो उसके सभी कार्य निर्विघ्न संपन्न होते हैं। 'भगवान महावीर द्वार' केवल निर्माण नहीं, बल्कि आस्था और संस्कृति का प्रतीक बनेगा। ' इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के राज्यमंत्री दिलीप जयसवाल, जिला कलेक्टर केदार सिंह तथा अन्य गणमान्य जनों ने समवसरण में श्रीफल समर्पित किया। भागवत कथा वाचक डॉ. मदनमोहन मिश्र (चित्रकूट धाम) भी उपस्थित रहे।

# जिलाधिकारी का आदेश भी एसडीएम की नजर में बौना

**» सरकारी भूमि में आंगनवाड़ी भवन निर्माण न हो पाने का मामला गरमाया**

**» नाराज ग्राम प्रधान आत्मदाह को निकले, प्रशासन ने समझा बुझाकर कराया शांत**

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

**मिल्कीपुर अयोध्या** अमानीगंज विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पूरा उर्फ सुमेरपुर में सरकारी भूमि पर आंगनवाड़ी भवन एवं आरसीसी सेंटर का निर्माण स्थानीय तहसील प्रशासन के चलते ढुलमुल रवैया के चलते अधर में लटका पड़ा है। जिलाधिकारी द्वारा ग्राम समाज की जमीन में निर्माण कराए जाने का आदेश भी एसडीएम की नजर में बौना बना हुआ है। जिसके चलते ग्राम प्रधान आदर्श श्रीवास्तव का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में प्रधान ने ग्राम पंचायत में प्रस्तावित आंगनबाड़ी केंद्र एवं आरआरसी सेंटर निर्माण को लेकर प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्राम प्रधान के अनुसार ग्राम सभा के राजस्व अभिलेखों में बंजर खाते में दर्ज सरकारी भूमि में आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण कराए जाने का प्रस्ताव भूमि प्रबंध समिति से पारित होने के बाद शासन से निर्माण की स्वीकृति मिली और कार्य शुरू भी हुआ। लेकिन गांव के कुछ लोगों ने विरोध करते हुए निर्माणाधीन ढांचे को गिरा दिया। इस संबंध में उन्होंने स्थानीय थाने में मुकदमा दर्ज कराने की बात कही। उनका आरोप है कि केस दर्ज होने के बावजूद निर्माण कार्य रुकवा दिया गया। प्रधान ने बताया कि उन्होंने कई बार मिल्कीपुर के उपजिलाधिकारी सुधीर कुमार से मुलाकात की। हर बार आश्वासन मिला कि निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा, लेकिन जमीनी स्तर पर कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने एसडीएम पर भी मौके पर न पहुंचने और कार्य शुरू न कराने का आरोप लगाया। प्रधान ने कहा कि जब स्थानीय स्तर पर सुनवाई नहीं हुई तो उन्होंने इलाहाबाद उच्च न्यायालय लखनऊ खंडपीठ की शरण ली, जहां से ग्राम पंचायत के पक्ष में निर्माण कार्य कराने का आदेश मिला। इसके बावजूद बीते शनिवार की रात कथित रूप से एसडीएम द्वारा उसी गाटा संख्या में किसी अन्य व्यक्ति से निर्माण शुरू करा दिया गया। प्रधान का आरोप है कि रात दो बजे से काम कराया जा रहा था और हाईकोर्ट के आदेश का अनुपालन नहीं हो रहा था। अवैध निर्माण की जानकारी जिलाधिकारी को दिए जाने के बाद निर्माण कार्य रुका। आक्रोशित प्रधान ने मुख्यमंत्री कार्यालय के सामने आत्मदाह की चेतावनी दी और अयोध्या के लिए रवाना हो गए। सूचना पर खुफिया विभाग व प्रशासन सक्रिय हुआ। अंततः पूर्व विधायक और एलआईयू इंस्पेक्टर के समझाने तथा निर्माण कार्य शुरू कराने के आश्वासनों के बाद प्रधान रास्ते से ही वापस लौट आए। मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ। इस संबंध में एसडीएम सुधीर कुमार का कहना है कि मामला संज्ञान में है, जो सरकारी भूमि में जो अवैध निर्माण हो गया है, उस पर धारा 67 के तहत कार्यवाही की जाएगी। इस प्रकार से एसडीएम द्वारा तत्काल अवैध निर्माण कराए गए मामले में ध्वस्तीकरण की कार्यवाही न करते हुए धारा 67 की कार्यवाही किए जाने का राग अलापा जाना उनकी प्रशासनिक कार्य शैली पर स्वतः ही सवालिया निशान लगा रहा है।